वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम .ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध परीक्षा

एमएएचडी-03 हिन्दी साहित्य का इतिहास

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

प्रश्न बैंक

खंड-अ (अतिलघूत्तरात्मक)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द है।

इकाई-1 शीर्षक-आदिकालीन काल विभाजन, नामकरण एवं काल निर्धारण

1. ग्रियर्सन ने हिंदी साहित्य को कितने कालों में विभाजित किया है ?
   उत्तर-ग्रियर्सन ने अपनी पुस्तक 'द माडर्न वर्नाक्यूलर लिटरेचर आफ हिन्दुस्तान ' को ग्यारह अध्यायों में विभक्त किया है।
2. मिश्रबंधुओं के अनुसार काल विभाजन पर प्रकाश डालिए।
   उत्तर-मिश्रबंधुओं ने अपनी पुस्तक 'मिश्रबंधु विनोद' (1913 ई.) काल विभाजन किया जो निम्नवत् है—
   1.आरंभिक काल 2. माध्यमिक काल 3. अलंकृत काल 4. परिवर्तन काल 5. वर्तमान काल
3. मिश्रबंधुओं के काल विभाजन की कोई तीन त्रुटियाँ लिखिए।
   उत्तर-1.इस काल का कोई सुस्पष्ट आधार नहीं है।2. परिवर्तन काल असंगत है तथा कालों की संख्या भी अधिक है। 3. कालखंडों के नामकरण में एक जैसी पद्धति नहीं अपनाई गई।
4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार काल विभाजन का उल्लेख कीजिए।
   उत्तर-शुक्ल ने 'हिंदी साहित्य के इतिहास' (1929 ई.) में दोहरा नामकरण किया है—
   1. आदिकाल (वीरगाथा काल) 2. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) 3. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) 4. आधुनिक काल (गद्यकाल)
5. डॉ. रामकुमार वर्मा द्वारा विभक्त काल विभाजन का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-डॉ. रामकुमार वर्मा ने अपने ग्रंथ 'हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास'(1938 ई.) में निम्न काल विभाजन किया—1. संधिकाल 2. चारणकाल 3. भक्तिकाल 4. रीतिकाल 5. आधुनिक काल
6. डॉ. गणपति चंद्र गुप्त के अनुसार विभक्त काल विभाजन का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-डॉ. गणपति चंद्र गुप्त ने अपने ग्रंथ 'हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास'(1965 ई.) में निम्न काल विभाजन किया—1.प्रारंभिक काल 2. मध्यकाल 3. आधुनिक काल

7. आदिकालीन काव्य की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।
   उत्तर-1. वीर एवं श्रृंगार रस की प्रधानता 2. विविध छंदों का प्रयोग 3. आश्रयदाताओं की प्रसंशा
8. शुक्ल जी द्वारा विभक्त काल विभाजन की समय सीमा पर प्रकाश डालिए।
   उत्तर-1. आदिकाल (वीरगाथा काल-संवत् 1050-1375 वि.) 2. पूर्वमध्यकाल (भक्तिकाल-संवत् 1375-1700 वि.) 3. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल-संवत् 1700-1900 वि.) आधुनिक काल (गद्यकाल-संवत्-1900-1984 वि.)
9. वीरगाथा काल नाम की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।
   उत्तर-इस युग की अधिकांश रचनाएँ वीर रस प्रधान थीं। इसलिए यह नाम सार्थक पड़ा।
10. काल विभाजन के कितने आधार हो सकते हैं ?
    उत्तर-काल विभाजन के निम्नलिखित आधार हो सकते हैं—1.कर्ता के आधार पर-प्रासद युग, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग-आदिकाल, आधुनिक काल, मध्यकाल। 2. प्रवृत्ति के आधार पर- भक्तिकाल, संत काव्य, सूफीकाव्य, रीतिकाल, छायावाद, प्रगतिवाद, 3. विकासवादिता के आधार पर 4. सामाजिक तथा सांस्कृतिक घटनाओं के आधार पर-राष्ट्रीय धारा, स्वातंत्र्योत्तर काल, स्वच्छंदतावाद आदि।

इकाई-2 शीर्षक-आदिकालीन काव्य की परिस्थिति

1. आचार्य शुक्ल के अनुसार आदिकाल कब से कब तक माना जासकता है ?
   उत्तर-आचार्य शुक्ल के अनुसार संवत् 1050 वि. से लेकर संवत् 1375 वि. तक अर्थात् महाराजा भोज के समय से लेकर हम्मीरदेव के समय के कुछ पीछे तक माना जा सकता है।
2. डॉ. रामकुमार वर्मा ने आदिकाल की समय सीमा कब से कब तक मानी है ?
   उत्तर-डॉ. रामकुमार वर्मा ने इसकी समय सीमा 8वी. शती से 14वीं शती तक मानी है।
3. आदिकालीन राजनीतिक परिस्थिति के किंहीं दो बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए।
   उत्तर-1.राजनीतिक दृष्टि से यह युद्ध और अशांति का काल था। 2. 10वीं शताब्दी में महमूद गजनवी ने और 12वीं शती में मुहम्मद गोरी ने भारत को पदाक्रांत किया। जनता विदेशी आक्रमणकारियों से तो त्रस्त थी ही, साथ ही युद्धकामी देशी राजाओं के अत्याचारों को भी सहन करने को विवश थी।
4. आदिकालीन धार्मिक परिस्थिति पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।
   उत्तर-आदिकाल में धार्मिक दृष्टि से तीन संप्रदायों का विशेष प्रभाव परिलक्षित होता है—सिद्ध संप्रदाय, नाथ संप्रदाय एवं जैन संप्रदाय। बौद्ध धर्म कालांतर में विकृत होकर वज्रयान बन गया था। इन वज्रयानियों को ही सिद्ध कहते थे। धर्म की यह विकृत अवस्था थी।
5. आदिकालीन सामाजिक परिस्थिति पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।
   उत्तर-जीवन-यापन के साधन दुर्लभ थे तथा निर्धनता, युद्ध, अशांति के कारण जनता सदैव आतंकित रहती थी। तत्कालीन रासो काव्यों में समाज की इस ह्रासोन्मुख स्थिति का पूरा-पूरा चित्र उपलब्ध होता है।
6. आदिकालीन साहित्यिक परिस्थिति की प्रमुख देन पर प्रकाश डालिए।
   उत्तर-इस काल में संस्कृत साहित्य के अंतर्गत पुराणों एवं स्मृतियों पर टीकायें लिखी गयीं तथा ज्योतिष एवं काव्यशास्त्र पर अनेक मौलिक ग्रंथों की रचना की गयी। 9वीं से 11वीं शती तक कन्नौज एवं कश्मीर संस्कृत साहित्य के केन्द्र रहे हैं।

7. आदिकालीन सांस्कृतिक परिस्थिति पर प्रसिद्ध विद्वान अलबरूनी के क्या विचार हैं ?
   उत्तर-"हिंदू कला के अत्यंत उच्च सोपान पर पहुँच चुके हैं। मुसलमान जब उनके मंदिर आदि को देखते हैं तो आश्चर्य चकित हो जाते हैं। वे न तो उनका वर्णन कर सकते हैं और न वैसा निर्माण ही कर सकते हैं।"
8. आदिकालीन साहित्य की कोई तीन प्रवृत्तियाँ लिखिए।
   उत्तर-1.ऐतिहासिकता का अभाव 2. कल्पना की प्रचुरता 3. संकुचित राष्ट्रीयता
9. आदिकाल की प्रमुख परिस्थितियों का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-1. सामाजिक परिस्थित 2. धार्मिक परिस्थिति 3. राजनीतिक परिस्थिति 4. साहित्यिक परिस्थिति 5. सांस्कृतिक परिस्थिति।
10. डॉ. गणपति चंद्र गुप्त के अनुसार हिंदी के पहले कवि का नाम और रचना का उल्लेख कीजिए।
    उत्तर-हिंदी के पहले कवि 'शालिभद्र सूरि' हैं तथा उनकी रचना 'भरतेश्वर बाहुबली रास' (1184 ई.) है।

इकाई-3 शीर्षक-नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य

1. नाथ संप्रदाय के उदय के कारण लिखिए।
   उत्तर-विक्रम की 12वीं शताब्दी में बौद्ध सिद्धों की प्रतिक्रिया स्वरूप नाथ संप्रदाय का उदय हुआ।
2. नाथ संप्रदाय की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।
   उत्तर-1. नाथ पंथ में योग पर विशेष बल दिया गया। 2. वर्ण व्यवस्था का विरोध एवं बाह्याडंबरों का खंडन किया गया।
3. सरहपा की रचनाओं के संबंध में किसने और किस पुस्तक में चर्चा की है ?
   उत्तर-राहुल सांकृत्यान ने अपनी पुस्तक हिंदी काव्य धारा में सरहपा के कुछ मुक्तक रचनाओं की चर्चा की है।
4. नाम संप्रदाय के प्रमुख कवियों का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर- गोरखनाथ, चौरंगीनाथ, गोपीचंद,भरथरी आदि।
5. हिंदी संत काव्य पर किस मत का पर्याप्त प्रभाव है ?
   उत्तर-हिंदी संत काव्य पर नाथ संप्रदाय और सिद्ध संप्रदाय का पर्याप्त प्रभाव है।
6. षटचक्रों वाला योगमार्ग हिंदी साहित्य में किसने चलाया ?
   उत्तर-गोरखनाथ ने षटचक्रों वाला योगमार्ग हिंदी साहित्य में चलाया।
7. हिंदी साहित्य में सिद्ध साहित्य का समय और शाखाओं का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-सिद्ध साहित्य का समय 7वीं-8वीं शती और शाखाएँ हीनयान और वज्रयान हैं।
8. हजारी प्रसाद द्विवेदी ने नाथों के संबंध में क्या कहा है?
   उत्तर-हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार—"इनकी सबसे बड़ी कमजोरी इनका रूखापन एवं गृहस्थ के प्रति अनादर का भाव है।"
9. जैन साहित्य के दो प्रमुख कवियों और उनकी रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-भरतेश्वरबाहुबली रास-शालिभद्र सूरि और रैवंत गिरिरास-विजयसेन सूरि की रचना है।
10. सिद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख सिद्धों का नामोल्लेख कीजिए।
    उत्तर- सिद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख सिद्ध शबरपा, लूइपा, डोम्भिपा, कण्हपा और कुक्कुरिपा हैं।

इकाई-4 शीर्षक-रासो काव्य एवं लौकिक काव्य

1. डॉ. गणपति चंद्र गुप्त ने रासो काव्य परंपरा को कितने भागों में बाँटा है ?
   उत्तर-दो वर्गों में विभक्त किया है-1. धार्मिक रास काव्य परंपरा 2. ऐतिहासिक रासो काव्य परंपरा
2. हिंदी रासो काव्य परंपरा के अंतर्गत आने वाले किंहीं चार ग्रथों के नाम बताइये।
   उत्तर-1.बीसलदेव रासो 2. पृथ्वीराज रासो 3. परमाल रासो 4. खुमाण रासो
3. पृथ्वीराज रासो के विषय में आप क्या जानते हैं ?
   उत्तर- पृथ्वीराज रासो वीर रस प्रधान ग्रंथ है। इसमें 69 सर्ग है तथा यह हिंदी का प्रथम महाकाव्य है जिसकी रचना चंदबरदाई ने की है।
4. विद्यापति की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।
   उत्तर- विद्यापति पदावली, कीर्तिलता, कीर्तिपताका आदि।
5. विद्यापति को और किन नामों से जाना जाता है।
   उत्तर-मैथिल कोकिल, कवि शेखर, अभिनव जयदेव के नाम से भी जाना जात है।
6. हिंदी के किंहीं चार रासो काव्य एवं उनके रचनाकारों के नाम बताइये।
   उत्तर-1.बीसलदेव रासो-नरपति नाल्ह 2. पृथ्वीराज रासो-चंदबरदाई 3. परमाल रासो-जगनिक 4. खुमाण रासो-दलपति राय विजय।
7. 'खुमान रासो' के विषय में आप क्या जानते हैं?
   उत्तर-खुमान रासो का रचयिता दलपति विजय नामक कवि है। इस ग्रंथ का चरित नायक मेवाड़ का राजा खुमान द्वितीय है। अन्य रासो काव्य ग्रंथों की भाँति इसका रचनाकाल भी संदिग्ध है।
8. 'परमाल रासो' के विषय में आप क्या जानते हैं?
   उत्तर-'परमाल रासो' का रचयिता कवि जगनिक था जिसे चंदेल वंशी राजा परमर्दिदेव का दरबारी कवि माना जाता है। आल्हा और ऊदल नामक दो क्षत्रिय सामंतों की वीरता का वर्णन परमाल रासो के अंतर्गत प्रमुख रूप से किया गया है।
9. अमीर खुसरो की प्रमुख रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-ख़ालिकबारी, खुसरो की पहेलियाँ, मुकरियाँ, दो सफुने, ग़ज़ल।
10. अमीर खुसरो का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
    उत्तर-अमीर खुसरो का जन्म एट जिले के पटियाली गाँव में 1255 ई. में हुआ था।

इकाई-5 शीर्षक-भक्तिकालीन काव्य की परिस्थिति

1. भक्तिकालीन परिस्थितियों का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-1.राजनीतिक परिस्थिति 2. सामाजिक परिस्थिति 3. धार्मिक परिस्थिति 4. सांस्कृतिक परिस्थिति

2. भक्तिकाल को कितने भागों में बाँटा गया है ? प्रमुख कवियों का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-

भक्तिकालीन साहित्य का विभाजन

↓

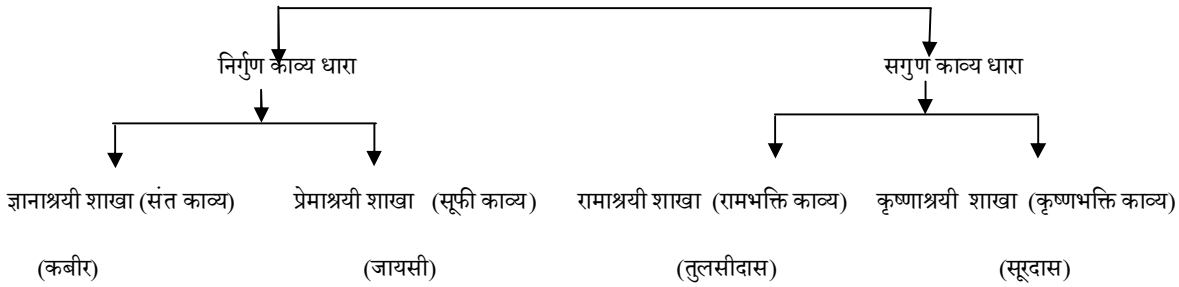

3. धार्मिक परिस्थिति के अंतर्गत सूफियों के प्रमुख संप्रदायों का नामोल्लेख कीजिए।
उत्तर-सूफियों के पाँच संप्रदाय प्रसिद्ध हैं1.चिश्ती संप्रदाय 2. कादिरी संप्रदाय 3. सुहरावर्दी संप्रदाय 4. नक्शबंदी संप्रदाय 5. सत्तारी संप्रदाय।

4. भक्ति आंदोलन के समय उत्तर भारत की राजनीतिक परिस्थिति कैसी थी।
उत्तर-उत्तर भारत में 1325-1526 ई. तक तुगलक बंश सैय्यद वंश तथा लोदी वंश का शासन रहा। मुहम्मद बिन तुगलग, फिरोजशाह तुगलग आदि ने तथा दिल्ली पर खिज्र खां ने शासन किया।

5. आचार्य रामचंद्र ने भक्ति आंदोलन के उदय के क्या कारण बताए?
उत्तर-आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार दक्षिण भारत से आती हुई भक्तिधारा को उत्तर भारत के राजनैतिक परिस्थितियों ने फैलने का सुअवसर दिया। पराजित हतदर्प एवं निराश हिंदू जनता के लिए भगवान की शक्ति और करूणा की ओर ध्यान ले जाने के अतिरिक्त दूसरा मार्ग ही नहीं था।

6. भक्ति के प्रचार-प्रसार में किन आचार्यों का विशिष्ट योगदान रहा?
उत्तर-भक्ति के प्रचार-प्रसार में मध्वाचार्य, रामानंद, वल्लभाचार्य, जयदेव और महाराष्ट्र के प्रमुख संत नामदेव का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।
7. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने भक्ति आंदोलन के उदय के क्या कारण बताए हैं?
उत्तर-द्विवेदी जी भक्ति आंदोलन का प्रारंभ हिंदुओं की पराजित मनोवृत्ति को नहीं मानते। वे कहते हैं 'मुसलमानों के अत्याचार से यदि भक्ति की भावधारा को उमड़ना था तो पहले उसे सिंध में और फिर उसे उत्तर भारत में प्रकट होना चाहिए था। पर हुई दक्षिण में।'
8. भक्ति आंदोलन के उदय के समय स्त्रियों की कैसी दशा थी?
उत्तर- भक्ति आंदोलन के उदय के समय स्त्रियों को अधिकार प्राप्त नहीं थे। उन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक माना जाता था। पर्दा प्रथा उस युग में खास आवश्यकता बन गयी थी। हिंदी कन्याओं को संपन्न मुसलमान क्रय करके या अपहरण करके अपने घर ले जाते थे।
9. आलवार और नायन्मार भक्त कौन थे ?
उत्तर-आलवार वस्तुतः वैष्णव का तमिल नाम है और नायन्मार वहाँ शैव को कहा जाता है।

10. आलवार भक्तों की संख्या कितनी है ? इनके पदों का संकलन किस नाम से किया गया।
    उत्तर-आलवार भक्तों की संख्या 12 मानी गई है। इनके भक्ति संबंधी पदों का संकलन दिव्य प्रबंधम् नाम से किया गया है।

इकाई-6 शीर्षक-निर्गुण भक्ति काव्य-ज्ञानमार्गी संत काव्य

1. समाज सुधार की दिशा में कबीर द्वारा किए गए प्रयासों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए ?
   उत्तर- कबीर ने राम रहीम की एकता का प्रतिपादन कर सामाजिक सौहार्द स्थापित करने का प्रयास किया। जाती प्रथा, मूर्ति पूजा,पाखंड आदि का डट कर विरोध किया।
2. कबीर की भाषा का स्वरूप क्या है ?
   उत्तर- कबीर की भाषा को पंचमेल खिचड़ी या सधुक्कड़ी भाषा कहा है।
3. कबीर की भाषा के संबंध में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का क्या विचार है ?
   उत्तर- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने कबीर को वाणी का डिक्टेटर कहा है।

4. कबीर दास की रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए ?
   उत्तर- कबीर दास की प्रमुख रचना है- साखी, सबद, रमैनी।
5. रामानन्द के प्रमुख चार शिष्यों के नाम लिखिए?
   उत्तर- कबीर , रैदास , धन्ना तथा पीपा प्रमुख है।
6. दादूदयाल के प्रमुख शिष्यों के नाम लिखिए।
   उत्तर- संतदास, रज्जब ,सुन्दरदास तथा जगन्नाथ दास है।
7. रैदास की रचनाओं का संकलन किस नाम से है।
   उत्तर- संतवाणी सीरिज के अंतरगत इनकी रचनाओं का संकलन रविदास की बानी शीर्षक से प्राकशित हुआ है।
8. निर्गुण धरा के प्रमुख संतों के नाम लिखिए।
   उत्तर- प्रमुख संत है- कबीर, रैदास .दादूदयाल ,सुन्दरदास मलूकदास आदि हैं।
9. सुन्दरदास की प्रमुख रचनाओं ने नाम लिखिए।
   उत्तर- इनके लिखे ग्रन्थों में ज्ञान समुन्द्र और सुन्दर विलास प्रसिद्धहै।
10. गुरु नानक की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।
    उत्तर- जपुजी , असादीवार , सोहिला रहिरास आदि है।

इकाई-7 शीर्षक- निर्गुण भक्ति काव्य-प्रेममार्गी सूफी काव्य

1. सूफी शब्द की व्युत्पत्ति बताइये?
   उत्तर-सर्वाधिक मान्य मत के अनुसार सूफी शब्द का सबंध 'सूफ' से है जिनका अर्थ है ऊन। सूफी लोग सफेद ऊन से बने हुए चोगे पहनते थे और उनका आचरण पवित्र एवं शुद्ध होता था।
2. सूफी साधन के प्रमुख सोपानों का नामोल्लेख कीजिए।

उत्तर-सूफी साधना के सात सोपान हैं-1. अनुताप 2. आत्म संयम 3. वैराग्य 4. दारिद्र्य 5. धैर्य 6. विश्वास 7. प्रेम।

3. सूफियों के किन्हीं पाँच संप्रदायों का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-1. कादरी संप्रदाय 2. चिश्ती संप्रदाय 3. सुहरावर्दी संप्रदाय 4. नक्शबंदी संप्रदाय 5. सत्तारी संप्रदाय
4. मसनवी शैली से आप क्या समझते हैं ?
   उत्तर-इस शैली के अंतर्गत सर्वप्रथम ईश्वर वंदना तत्पश्चात हजरत मुहम्मद की स्तुति तदुपरांत मुहम्मद साहब के चार मित्रों की प्रसंशा और फिर शाहे वक्त की प्रसंशा की जाती है। इसके बाद गुरु महिमा का निरुपण करने के साथ-साथ अपने आस्थायों और धार्मिक विश्वासों की विवेचना भी की जाती है।
5. किंहीं पाँच प्रेमाख्यानक कवि और उनकी रचनाओं के नाम लिखिए।
   उत्तर-1. हंसावली-असाइत, 2. चंदायन-मुल्ला दाउद 3. मृगावती-कुतुबन 4. पद्मावत-मलिक मुहम्मद जायसी, 5. मधुमालती-मंझन।
6. मलिक मुहम्मद जायसी की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।
   उत्तर-पद्मावत, अखरावट, आखिरी कलाम
7. सूफी मत का आदि स्रोत डॉ. नगेन्द्र ने किससे माना है ?
   उत्तर-शामी जातियों की आदिम प्रवृत्ति से माना है।
8. 'तन चितउर मन राजा कीन्हा' पंक्ति किस काव्य ग्रंथ से ली गई है ?
   उत्तर-मलिक मुहम्मद जायसी कृत 'पद्मावत'।
9. मृगावती के विषय में आप क्या जानते हैं ?
   उत्तर-मृगावती की रचना 1503 ई. में कुतुबन ने की। इसका नायक एक राजकुमार है तथा नायिका राजकुमारी मृगावती है।
10. सैतान अथवा माया से आप क्या समझते हैं ?
    उत्तर-सूफी साधकों ने शैतान को ही माया कहा है जो साधक को उसकी प्रेम साधना की एकनिष्ठा से भटकाता है।

इकाई-8 शीर्षक-सगुण भक्तिकाव्य-कृष्ण भक्ति काव्यधारा

1. वल्लभाचार्य के प्रमुख शिष्यों के नाम लिखिए।
   उत्तर-कुंभनदास, सूरदास, परमानंददास, कृष्णदास।
2. निम्बार्क संप्रदाय के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।
   उत्तर-श्रीभट्ट, हरिव्यास देव, परशुराम देव इस संप्रदाय के प्रमुख कवि हैं।
3. चैतन्य संप्रदाय से आप क्या समझते हैं?
   उत्तर-इसे गौड़ीय संप्रदाय भी कहा जाता है। इसका प्रवर्तन चैतन्य महाप्रभु ने किया था। जिनका समय 1486-1533 ई. माना जाता है।
4. अष्टछाप के प्रमुख कवियों का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर- कुंभनदास, सूरदास, परमानंददास, कृष्णदास, गोविन्दस्वामी, छीतस्वामी, नंददास, चतुर्भुजदास।
5. निम्बार्काचार्य के प्रमुख ग्रंथों के नाम लिखिए।

उत्तर-वेदांत पारिजात सौरभ, दशश्लोकी, श्रीकृष्णइस्तौराज, मंत्र रहस्य और प्रपन्न कल्पवल्ली।

6. सूरदास के प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।
   उत्तर-सूरसागर, साहित्य लहरी, सूर सारावली।
7. भ्रमरगीत परंपरा के किन्हीं तीन कवियों एवं उनकी रचनाओं के नाम लिखिए।
   उत्तर-1.भ्रमरगीत-सूरदास 2. भँवरगीत-नंददास 3. भ्रमरदूत-सत्यनारायण कविरत्न।
8. नंददास की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।
   उत्तर-1.अनेकार्थ मंजरी, 2. रासपंचाध्यायी, 3. सुदामा चरित, 4. श्याम सगाई, 5. सिद्धांत पंचाध्यायी आदि हैं
9. मीराबाई का जन्म कहाँ हुआ था?
   उत्तर-मीराबाई का जन्म 1504 ई. में मेढ़ता के समीपवर्ती गाँव कुड़की में राठौड़वंशी परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम रत्नसिंह था। उनकी मृत्यु 1563 ई. में हुई।
10. रसखान की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।
    उत्तर-रसखान की प्रमुख रचनाएँ-प्रेमवाटिका, दानलीली, संकलन सुजान, अष्टयाम हैं।

इकाई-9 शीर्षक-सगुण भक्तिकाव्य-रामभक्ति काव्य

1. स्वामी रामानंद का परिचय दीजिए।
   उत्तर-स्वामी रामानंद का जन्म समय 1400-1470 ई. के बीच माना जा सकता है। इनका जन्म काशी में हुआ था। ये संस्कृत के प्रकाण्ड पंडित थे। इनकी दो प्रमुख रचना वैष्णव मताब्ज भास्कर और श्री रामार्चन पद्धति अति प्रसिद्ध है।
2. तुलसीदास की किन्हीं पाँच रचनाओं के नाम लिखिए।
   उत्तर-रामचरित मानस, कवितावली, गीतावली, बरवै रामायण, वैराग्य संदीपनी, श्रीकृष्ण गीतावली।
3. गोस्वामी तुलसीदास की भक्तिभावना की प्रमुख विशेषता क्या है?
   उत्तर-गोस्वामी तुलसीदास की भक्ति दास्य भाव की थी। उसमें नवधा भक्ति-श्रवण, किर्तन, पादसेवन, अर्चना, वंदना, दास्य, सख्य, नामस्मरण और आत्मनिवेदन का पूर्ण स्वरूप दृष्टिगोचर होता है।
4. रामचरित मानस के कांडों के नाम लिखिए।
   उत्तर-कुल सात कांड हैं—1.बालकांड, 2. अयोध्याकांड, 3.अरण्यकांड. 4. किष्किंधाकांड, 5. सुंदरकांड 6. लंकाकांड 7. उत्तरकांड।
5. तुलसी लोकनायक थे इसका क्या तात्पर्य है?
   उत्तर-आचार्य हजारी प्रसाद के अनुसार लोकनायक वही हो सकता है जो समन्वय कर सके तुलसीदास महात्मा बुद्ध के बाद भारत के सबसे बड़े लोकनायक थे।
6. किन्हीं प्रमुख चार रामभक्ति कवियों एवं उनकी कृतियों के नाम लिखिए।
   उत्तर-1.रामानंद-रामरक्षा स्तोत्र 2. अग्रदास-ध्यानमंजरी 3. तुलसीदास-रामचरित मानस, 4. नाभादास-भक्तमाल।
7. विनय पत्रिका के विषय में आप क्या जानते हैं?
   उत्तर-तुलसीदास की रचनाओं में विनय पत्रिका महत्वपूर्ण स्थान है इस काव्यग्रंथ में 279 पद हैं तथा यह ब्रज भाषा में लिखी गयी है।

8. रामचरित मानस की रचना कहाँ और कितने समय में हुई ?
   उत्तर-आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार रामचरित मानस की रचना 2 वर्ष 7 माह 26 दिन में अयोध्या, काशी एवं चित्रकूट में हुई।
9. आधुनिक भारतीय भाषाओं में रामकथा से संबंधित किन्हीं दो रचनाओं का परिचय दीजिए।
   उत्तर-कृतिवास रामायण-कृतिवास द्वारा रचित बांग्ला भाषा में तथा कंब रामायण-कंब द्वारा रचित तमिल भाषा में है।
10. तुलसीदास ने किन क्षेत्रों में समन्वय का प्रयास किया ?
    उत्तर-तुलसीदास ने धर्म, दर्शन, भक्ति परिवार एवं साहित्य के क्षेत्रों में समन्वय का प्रयास किया।

इकाई-10 शीर्षक-रीतिकालीन काव्य की परिस्थिति

1. रीतिकाल को किन-किन नामों से जाना जाता है ?
   उत्तर-रीतिकाल, श्रृंगारकाल, अलंकृतकाल, कला काल, उत्तर मध्यकाल।
2. रीतिकाल में रीति शब्द का प्रयोग किस अर्थ में हुआ है ?
   उत्तर-रीतिकाल में रीति शब्द का प्रयोग काव्यांग निरूपण के अर्थ में हुआ है।
3. रीतिकाल का प्रारंभ किस रचना से माना जाता है?
   उत्तर-रीतिकाल का प्रारंभ चिंतामणिकृत रसविलास और मतिराम कृत रसराज से माना जा सकता है।
4. रीतिकाल का अंतिम कवि कौन है ?
   उत्तर-रीतिकाल का अंतिम कवि ग्वाल कवि जिनकी रचना रसरंग 1853 ई. के आसपास की है।
5. रीतिकाल को कितने वर्गों में विभाजित किया गया है। नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर- रीतिकाल को तीन वर्गों में रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्तमें बाँटा गया है।
6. लक्षण ग्रंथ से क्या अभिप्राय है ?
   उत्तर-जिन काव्य ग्रंथों में काव्यांगों के लक्षण और उदाहरण काव्य रूप में प्रस्तुत किये ऐसे रीतिकालीन ग्रंथों को लक्षण ग्रंथ कहा गया।
7. आचार्य रामचंद्र शुक्ल रीतिकाल के कवियों के आचार्यत्व पर क्या टिप्पणी की है ?
   उत्तर-आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार हिंदी में लक्षण ग्रथों की परिपाटी पर रचना करने वाले सैकड़ों कवि हुए हैं वे आचार्य की कोटि में नहीं आ सकते। वे वास्तव में कवि ही थे।
8. रीतिकालीन प्रमुख शासकों के नाम बताइये।
   उत्तर-शाहजहाँ, औरंगजेब, शाहआलम।
9. रीतिकाल को अलंकृत काल और श्रृंगार काल किसने कहा ?
   उत्तर-मिश्रबंधुओं और विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने दिया।
10. रीतिकाल की प्रमुख परिस्थितियों का नामोल्लेख कीजिए।
    उत्तर-राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृत्कि।

इकाई-11 शीर्षक-रीतिकालीन कविता का स्वरूप, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य

1. रीतिबद्ध कवि कौन से हैं ?

उत्तर-जो कवि रीति के बंधन में बधे हुए हैं अर्थात जिन्होंने काव्यांगों का लक्षण एवं उदाहरण प्रस्तुत करने वाले लक्षण ग्रन्थ लिखे उन्हें रीतिबद्ध कवि कहा गया।

2. किसी एक रीतिबद्ध कवि और उसकी रचना का नामोल्लेख कीजिए ?

उत्तर-मतिराम रीतिबद्ध कवि है और उनके द्वारा लिखा गया 'अलंकार पंचाशिका' रीति ग्रन्थ है।

3. रीतिमुक्त कवि कौन से हैं ?

उत्तर-रीति काल के वे कवि जो रीति काल के बंधन से पूर्णतया मुक्तथे उन्हें रीतिमुक्त कवि कहा गया है।

4. किसी एक रीतिमुक्त कवि और उसकी रचना का नामोल्लेख कीजिए?

उत्तर-रीतिमुक्त कवियों में घनानंद का नाम लिया जाता है जिसकाग्रन्थ 'सुजान हित प्रबंध' है।

5. लक्षण ग्रन्थ से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर-जिन काव्य ग्रन्थों में काव्यांगों के लक्षण और उदाहरण काव्य रूप में प्रस्तुत किए गए उन्हें लक्षण ग्रंथ कहा गया।

6. बिहारी का जीवन काल बताते हुए उनकी रचना का नाम बताइए ?

उत्तर-बिहारी का जीवन काल १५९५-१६६३ ई. है। उनकी रचना का नाम है 'बिहारी सतसई'।

7. घनानंद की भाषा की क्या विशेषता है?

उत्तर-घनानंद की भाषा में लाक्षणिकता की प्रधानता है वह सरस ब्रज भाषा है।

8. रीतिमुक्त प्रमुख दो कवियों की रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए?

उत्तर-प्रमुख कवि - ठाकुर- आलमकेली, बोधा-विरह वारीश हैं।

9. केशव की संवाद योजना की प्रमुख विशेषता क्या है?

उत्तर-केशव की संवाद योजना में पात्रानुकुलता व्यंजना सौन्दर्यता व नाटकीयता की प्रधानता है।

10. भूषण की रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए ?

उत्तर-भूषण की प्रमुख रचना है-शिवराज भूषण, शिवा बावनी और क्षत्रसाल दशक।

इकाई-12 शीर्षक-आधुनिक काव्य की पृष्ठभूमि

1. आधुनिक काल के जो विभिन्न नाम हैं उनका उल्लेख कीजिए?

उत्तर- नाम इस प्रकार हैं- गद्य काल, वर्तमान काल, आधुनिक काल।

2. आधुनिक काल की समय सीमा बताइए?

उत्तर-आधुनिक काल की समय सीमा संवत१९०० वि.से १९८० वि अर्थात सन १८८३ ई. से १९२३ ई. है।

3. ब्रह्म समाज की स्थापना किसने और कब की ?

उत्तर-ब्रह्म समाज की स्थापना राजा राममोहन राय ने १८२९ ई . में की।

4. आधुनिकता के दो लक्षण बताइए?

उत्तर-1-आधुनिकता की व्याख्या अतीत की समकक्षता एवं सापेक्षिकता में ही संभव है।

2-जो इस समय आधुनिक समझा जाता है, भविष्य में वही पुरातन हो जाता है।

5. रामकृष्ण मिशन की स्थापना किसने की ?

उत्तर-रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी विवेकानन्द ने की।

6. आधुनिक काल की कविता का मूल स्वर किस तरफ उन्मुख दिखाई पड़ता है?

उत्तर-आधुनिक काल की कविता का मूल स्वर स्वदेश-प्रेम, राष्ट्रीय चेतना, नए विषयों की ओर उन्मुख दिखाई पड़ता है।

7. आर्य समाज के संस्थापक तथा उनकी पुस्तक का नाम लिखिए?

उत्तर-आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानन्द सरस्वती तथा उनकी पुस्तक का नाम 'सत्यार्थ प्रकाश' है।

8. आधुनिक काल का प्रथम चरण किस नाम से जाना जाता है ?

उत्तर-आधुनिक काल का प्रथम चरण भारतेंदु युग अथवा पुनर्जागरण काल के नाम से जाना जाता है।

9. आधुनिक काल को 'गद्य काल' किसने कहा ?

उत्तर-आधुनिक काल को आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने 'गद्य काल' कहा है।

10. आधुनिक काल की प्रमुख दो पत्रिकाओं के नाम लिखिए?

उत्तर-प्रमुख दो पत्रिका है – उदन्त-मार्तण्ड व कविवचन सुधा हैं।

इकाई-13 शीर्षक-भारतेन्दु युग का काव्य

1. भारतेंदु जी की किन्हीं चार काव्य कृतियों के नाम लिखिए ?

उत्तर-भारतेंदु जी की प्रमुख चार कृतियां हैं- प्रेम माधुरी , सतसई श्रृंगार, प्रेम तरंग,प्रेम फुलवारी हैं।

2. भारतेंदु जी का जन्म समय तथा जन्म स्थान निर्धारित कीजिए ?

उत्तर-भारतेंदु जी का जन्म सन १८५०ई.में काशी में हुआ था।

3. भारतेंदु मंडल के प्रमुख लेखकों के नाम लिखिए?

उत्तर-प्रमुख लेखक हैं- प्रताप नारायण मिश्र,बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन',अम्बिकादत्त व्यास, ठाकुर जगमोहन सिंह राधाचरण गोस्वामी आदि हैं|

4. प्रतापनारायण मिश्र की प्रमुख कविताएं कौन-सी है ?

उत्तर-प्रमुख कविताएँ हैं-हरगंगा, हिंदी की हिमायत, बुढ़ापा आदि है|

5. भारतेंदु जी द्वारा निकाली गयी पत्रिकाओं के नाम बताइए ?

उत्तर-भारतेंदु जी ने 'कविवचन सुधा', 'हरिश्चंद्र चन्द्रिका' तथा 'बाल बोधनी' नामक पत्रिका निकाली|

6. भारतेन्दु युगीन किन्हीं चार काव्य प्रवृत्तियों का नामोल्लेख कीजिए?

उत्तर-प्रमुख प्रवृतियाँ हैं- राष्ट्रीयता की भवना, समाज की दुर्दशा का चित्रण, श्रृंगारिकता, भक्ति भावना है।

7. भारतेंदु काल की दो प्रमुख भक्तिपरक रचना तथा रचनाकारों का परिचय दीजिए ?

उत्तर-1-अलौकिक लीला–बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' तथा कंसवध-अम्बिकादत्त व्यास है।

8. "पपीहा जब पूछी है पीव कहां' इस समस्या पूर्ति को पूरा करने वाले कवि कौन थे?

उत्तर-उपरोक्त समस्या की पूर्ति पण्डित प्रतापनारायण मिश्र ने की थी।

9. भारतेंदु जी किस सम्प्रदाय में दीक्षित थे ?

उत्तर-भारतेंदु जी पुष्टिमार्गीय भक्त थे तथा बल्लभ सम्प्रदाय में दीक्षित थे।

10. अम्बिकादत्त व्यास की प्रमुख काव्य कृतियों का नामोल्लेख कीजिए?

उत्तर-अम्बिकादत्त व्यास की प्रमुख काव्य कृतियों का नाम है-'पावस पचासा', 'सुकवि सतसई', 'हो हो होरी', 'बिहारी विहार' है।

इकाई-14 शीर्षक-द्विवेदी युग का काव्य

1. महावीरप्रसाद द्विवेदी ने सरस्वती पत्रिका का संपादन कब किया?

उत्तर-महावीरप्रसाद द्विवेदी ने सरस्वती पत्रिका का संपादन सन १९०३ ई. में किया।

2. द्विवेदी युग के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए?

उत्तर-द्विवेदी युग के प्रमुख कवि हैं- मैथिलीशरण गुप्त, गोपालशरण सिंह, गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही', और लोचनप्रसाद पाण्डेय आदि हैं।

3. द्विवेदी जी से प्रेरित होकर खड़ी बोली में कविता करने वाले किन्हीं तीन कवियों का नामोल्लेख कीजिए?

उत्तर-द्विवेदी जी से प्रेरित होकर खड़ी बोली में कविता करने वाले तीन कवि हैं- अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', श्रीधर पाठक, नाथूराम शर्मा 'शंकर'।

4. मैथिलीशरण गुप्त की किन्हीं चार रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए ?

उत्तर-मैथिलीशरण गुप्त की चार रचनाओं का नाम है -भारत-भारती, साकेत, द्वापर, पंचवटी।

5. द्विवेदीयुगीन किन्हीं चार काव्य प्रवृत्तियों का नामोल्लेख कीजिए ?

उत्तर-द्विवेदीयुगीन चार काव्य प्रवृत्तियों का नाम है—1-इतिवृत्तात्मकता, 2-नैतिकता एवं आदर्शवाद, 3-सामाजिक समस्याओं का चित्रण, 4-काव्य रूपों की विविधता।

6. रामनरेश त्रिपाठी की प्रमुख काव्य कृतियों का नाम लिखिए?

उत्तर-रामनरेश त्रिपाठी की प्रमुख काव्य कृतियों का नाम है- मिलन, पथिक, स्वप्न तथा मानसी।

7. राय देवीप्रसाद पूर्ण की प्रमुख काव्य कृतियों का नाम लिखिए?

उत्तर-राय देवीप्रसाद पूर्ण की प्रमुख काव्य कृतियां हैं- स्वदेशी कुंडल, मृत्युंजय, राम रावण विरोध तथा वसंत वियोग।

8. रामचरित चिंतामणि किसका प्रबंध काव्य है?

उत्तर- 'रामचरित चिंतामणि' रामचरित उपाध्याय का प्रबंध काव्य है।

9. साकेत के विषय में आप क्या जानते हैं ?

उत्तर-साकेत की रचना मैथिलीशरण गुप्त ने की है। यह रामकथा पर आधारित महाकाव्य है, जिसके नवम सर्ग में उर्मिला का विरह वर्णन विषद रूप से किया गया है।

10. मैथिलीशरण गुप्त की किस कृति को सरकार ने जब्त कर लिया था ?

उत्तर-मैथिलीशरण गुप्त की 'भारत-भारती' कृति को सरकार ने जब्त कर लिया था।

इकाई-15 शीर्षक-छायावाद

1. छायावाद की समय सीमा कब से कबतक मानी जाती है ?

उत्तर-छायावाद की समय सीमा १९१८-१९३६ई. तक मानी जा सकती है|

2. छायावादयुगीन किन्हीं चार काव्य प्रवृत्तियों का नामोल्लेख कीजिए ?

उत्तर-छायावादयुगीन चार काव्य प्रवृत्तियों के नाम हैं-1- आत्माभिव्यंजन, 2-सौन्दर्य चित्रण, 3-श्रींगार निरूपण तथा 4-नारी भावना।

3. जयशंकर प्रसाद का जीवनकाल निर्धारित कीजिए?

उत्तर-जयशंकर प्रसाद का जीवनकाल १८९०-१९३७ ई. है।

4. निराला के प्रमुख चार काव्य संग्रहों के नाम लिखिए?

उत्तर-1-अनामिका, 2- परिमल, 3- गीतिका तथा 4- तुलसीदास है।

5. सुमित्रानंदन पन्त के प्रमुख चार काव्य संग्रहों के नाम लिखिए?

उत्तर-1-उच्छवास, 2-ग्रन्थि, 3-वीणा तथा 4-पल्लव है।

6. छायावाद युग के प्रमुख चार कवियों के नाम लिखिए?

उत्तर-1-जयशंकर प्रसाद, 2-सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', 3-सुमित्रानंदन पन्त तथा4-महादेवी वर्मा हैं|

7. जयशंकर प्रसाद की प्रमुख चार रचनाओं के नाम लिखिए?

उत्तर-1-झरना, 2-आंसू, 3-लहर, तथा 4-कामायनी है।

8. महादेवी वर्मा की प्रमुख चार रचनाओं के नाम लिखिए?

उत्तर-1-निहार, 2-रश्मि, 3-नीरजा तथा 4- दीपशिखा है।

9. निराला जी के काव्य की दो विशेषताएं लिखिए?

उत्तर-1- निराला की कविताओं में उनके व्यक्तिगत जीवन का सत्य अभिव्यक्त हुआ है।

2- निराला की भाषा संस्कृतनिष्ठ समास बहुल किन्तु गेयता से युक्त भाषा है।

10. महादेवी वर्मा के काव्य में किस भावना की प्रधानता पायी जाती है?

उत्तर- महादेवी वर्मा के काव्य में विरह भावना की प्रधानता पायी जाती है।

इकाई-16 शीर्षक-उत्तरछायावादी कविता

1. उत्तरछायावादी काव्य को कितने वर्गों में बाँटा गया है?
   उत्तर-दो वर्गों में बाँटा गया है। 1. राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा 2. प्रणयमूलक वयैक्तिक काव्यधारा।
2. राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा के किन्हीं तीन कवियों के नाम लिखिए।
   उत्तर-माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', रामधारी सिंह 'दिनकर'
3. राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा की दो विशेताएँ लिखिए।
   उत्तर-1. देशभक्ति एवं राष्ट्रीयता की भावना 2. जनजागरण का संदेश
4. प्रणयमूलक वयैक्तिक काव्यधारा के किन्हीं तीन लेखकों के नाम लिखिए।
5. उत्तर-1. हरिवंशराय बच्चन 2. रामेश्वर शुक्ल अंचल 3. नरेन्द्र शर्मा
6. हरिवंशराय बच्चन की रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश
7. हरिवंशराय बच्चन के काव्य की दो विशेषता लिखिए।
   उत्तर-1. प्रेम एवं मस्ती का काव्य 2. वयैक्तिक अनुभूतियों का चित्रण
8. रामेश्वर शुक्ल अंचल की तीन रचनाओं के नाम लिखिए।
   उत्तर-मधूलिका, अपराजिता, करील

9. नरेन्द्र शर्मा की किन्हीं तीन रचनाओं के नाम लिखिए।
   उत्तर-प्रभातफेरी, द्रोपदी, सुवर्णा
10. रामेश्वर शुक्ल अंचल के काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए।
    उत्तर-1. मांसल प्रेम की कविता 2. परिवर्तित काव्य में प्रगतिवादी भावना

इकाई-17 शीर्षक-प्रगतिवादी काव्य

1. प्रगतिवाद क्या है ?
   उत्तर-जो विचारधारा राजनीतिक क्षेत्र में साम्यवाद या मार्क्सवाद कहलाती है, वही साहित्यिक क्षेत्र में प्रगतिवाद के नाम से जानी जाती है।
2. साम्यवादी विचारधारा के आधार पर समाज को कितने वर्गों में बाँटा गया है।
   उत्तर-दो वर्गों में बाँटा गया है। शोषित और शोषक वर्ग
3. प्रगतिवादी काव्य के प्रमुख लेखकों का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन, रामविलास शर्मा, त्रिलोचन शास्त्री, शिवमंगल सिंह 'सुमन'।
4. प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख तीन विशेषताएँ लिखिए।
   उत्तर-1. शोषितों की दीनता का चित्रण, 2. शोषक वर्ग के प्रति घृणा 3. सामाजिक जीवन की यथार्थ चित्रण
5. नागार्जुन की प्रमुख काव्य रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-युगधारा, सतरंगे पंखोंवाली, प्यासी पथराई आँखें, भस्मांकुर, तुमने कहा था।
6. केदारनाथ अग्रवाल की प्रमुख काव्य रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-युग की गंगा, नींद के बादल, फूल नहीं रंग बोलते हैं, आग का आइना।
7. शिवमंगल सिंह सुमन की प्रमुख रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-हिल्लोल, जीवन के गान, मिट्टी की बारात, वाणी की व्यथा।
8. शिवमंगल सिंह के काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए।
   उत्तर-1. शोषण व अन्याय का विरोध 2. काव्य में भाव विचार एवं शिल्प का सुंदर समन्वय
9. त्रिलोचन के प्रमुख काव्य कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-धरती, मिट्टी की बारात, मैं उस जनपद का कवि हूँ
10. रांगेय राघव की प्रमुक काव्य कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।
    उत्तर-अजेय खण्डहर, मेधावी, पांचाली, राह के दीपक

इकाई-18 शीर्षक-प्रयोगवाद और नई कविता

1. द्वितीय तार सप्तक के कवियों का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-भवानी प्रसाद मिश्र, शकुन्तला माथुर, हरिनारायण व्यास, शमशेर बहादुर सिंह , नरेश मेहता, रघुवीर सहाय तथा धर्मवीर भारती।
2. तारसप्तक का प्रकाशन किसके द्वारा और कब किया गया।
   उत्तर-तारसप्तक का प्रकाशन अज्ञेय के संपादकत्व में सन् 1943 में हुआ।
3. तारसप्तक के कवियों का नामोल्लेख कीजिए।

उत्तर-नेमिचंद्र जैन, गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतभूषण अग्रवाल, प्रभाकर माचवे, गिरिजा कुमार माथुर, रामविलास शर्मा तथा अज्ञेय।

4. दूसरे तारसप्तक का संपादन कब और किसने किया।
   उत्तर-सन् 1951 में अज्ञेय ने किया।
5. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षरों का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-कुंवर नारायण, दुष्यंत कुमार, प्रभाकर माचवे, विजयदेवनारायण साही, लक्ष्मीकांत वर्मा, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना।
6. नई कविता की चार प्रवृत्तियों का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-1. नवीनता 2. बौद्धिकता 3. क्षणवादिता 4. यथार्थवादिता
7. अज्ञेय की प्रमुख काव्य कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-हरी घास पर क्षणभर, आँगन के पार द्वार, कितनी नावों में कितनी बार, असाध्य वीणा, सागर मुद्रा, अरी ओ करुणामय प्रभामय, बावरी अहेरी, क्योंकि मैं उसे जानता हूँ, इत्यलम।
8. मुक्तिबोध की प्रमुख काव्य कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-चाँद का मुँह टेड़ा है, भूरी-भूरी खाक धूल
9. शमशेर बहादुर सिंह की प्रमुख काव्य कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-चुका भी नहीं हूँ मैं, इतने पास अपने, काल तुझसे होड़ मेरी, उदिता, बात बोले भी हम नहीं।
10. दुष्यंत कुमार की प्रमुख रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।
    उत्तर-साये में धूप, सूर्य का स्वागत, आवाजों के घेरे, जलते हुए पवन का बसंत

इकाई-19 शीर्षक-समकालीन कविता

1. सन् 1960 की कविता को किन-किन नामों से जाना जाता है।
   उत्तर—साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता, अकविता, अभिनव कविता, बीट कविता, युयुत्सुवादी कविता, अस्वीकृत कविता, अतिकविता, सहज कविता, निर्देशायामी कविता।
2. समकालीन कविता की दो विशेषताएँ लिखिए।
   उत्तर—1. साठोत्तरी कविता में असंतोष, अस्वीकृति और विद्रोह का स्वर उभरा है। 2. समकालीन कविता में राजनैतिक संदर्भों से साक्षात्कार किया गया है।
3. समकालीन कविता के प्रमुख कवियों का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर—रघुवीर सहाय, श्रीकांत वर्मा, विश्वनाथ तिवारी, दूधनाथ सिंह, धूमिल, लीनाधर जगूड़ी, विष्णु खरे, परमानंद श्रीवास्तव, अरुण कमल, आलोक धन्वा।
4. नवगीत की परिभाषा लिखिए।
   उत्तर-डॉ. रामदरश मिश्र के अनुसार—"अनुभूति की सच्चाई, नवीन सौंदर्यबोध, आकार लघुता, नवीन बिंब प्रतीक, उपमान योजना, इसकी सामान्य विशिष्टता है। इन सभी गीतों में लोकरस का तत्व है।"
5. नागार्जुन की प्रमुख काव्य रचनाओं के नाम लिखिए।
   उत्तर-रत्नगर्भ, पुरानी जूतियों का कोरस, तुमने कहा था, खिचड़ी विप्लव देखा हमने, हजार-हजार बाहों वाली आदि।

6. राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने नवगीत के कितने तत्व स्वीकार किये हैं।
   उत्तर-राजेन्द्र सिंह ने नवगीत के पाँच तत्व स्वीकार किये हैं-1. जीवन दर्शन, 2. आत्मनिष्ठा, 3. व्यक्तित्वबोध, 4.प्रतीत्व, 5. परिसंचय
7. लकड़बग्घा हँस रहा है किसकी रचना है ?
   उत्तर-चंद्रकांत देवताले की रचना है।
8. गिरिजा कुमार माथुर की प्रमुख काव्य रचनाओं के नाम बताइए।
   उत्तर-छाया मत छूना मन, भीतरी नदी की यात्रा, साक्षी रहे वर्तमान, कल्पांतर आदि।
9. नवगीत की पहली चर्चा किससे मानी जाती है ?
   उत्तर-नवगीत की पहली बार विशद चर्चा राजेन्द्र प्रसाद सिंह द्वारा संपादित गीतांगिनी(1958) में हुई।
10. नवगीत का जनक किसे माना जाता है ?
    उत्तर-उमाकांत मालवीय को नवगीत का जनक मानते हैं।

इकाई-20 शीर्षक-हिंदी कथा साहित्य

1. उपन्यास किसे कहते हैं ?
   उत्तर-उपन्यास गद्य की वह विधा है जिसमें किसी विस्तृत कथा वस्तु को घटनाओं एवं पात्रों के माध्यम से रोचक बनाकर इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है कि वह निश्चित उद्देश्य को व्यक्त करती है।
2. कहानी की परिभाषा लिखिए।
   उत्तर-कहानी गद्य की वह विधा है जिसकी कथा वस्तु संक्षिप्त होती है। कथात्मक रूप में उसमें किसी एक घटना एक संवेदना या अनुभूति को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता हैकि वह अपना समग्र प्रभाव छोड़ती है।
3. ऐतिहासिक उपन्यास का तात्पर्य क्या है ?
   उत्तर-किसी ऐतिहासिक कालखंड को लेकर जब कोई उपन्यासकार किसी ऐसी मिश्रित कथावस्तु का ढांचा तैयार करता है जिसकी प्रमुख घटनाएँ एवं पात्र तो ऐतिहासिक होते हैं किन्तु गौण घटनाएं एवं पात्रकाल्पनिक, तो उस कृति को ऐतिहासिक उपन्यास कहते हैं।
4. हिंदी के तीन प्रमुख मनोविश्लेषणवादी उपन्यासकारों के नाम लिखिए।
   उत्तर-अज्ञेय. जैनेन्द्र, इलाचंद्र जोशी।
5. वृंदावनलाल वर्मा के ऐतिहासिक उपन्यासों का नाम लिखिए।
   उत्तर-माधवजी सिंधिया, झांसी की रानी, गढ़कुंडार, मृगनयनी, विराटा की पद्मिनी, टूटे काँटे।
6. हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों के नाम लिखिए।
   उत्तर-पुनर्नवा, चारुचंद्र लेख, बाणभट्ट की आत्मकथा, अनामदास का पोथा।
7. तीन आंचलिक उपन्यासकारों के नाम बताइये।
   उत्तर-1.फणीश्वरनाथ रेणु, 2. नागार्जुन, 3. रांगेय राघव
8. किन्हीं तीन प्रमुख आदीवासी उपन्यासों और उनके लेखकों के नाम लिखिए।
   उत्तर-1. धूणी तपे तीर-हरिराम मीणा 2. गायब होता देश-रणेन्द्र 3. काला पादरी-तेजेन्द्र
9. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार हिंदी की पहली कहानी एवं पहला उपन्यास कौन सा है?
   उत्तर-इंदुमती-किशोरी लाल गोस्वामी और परीक्षा गुरु-लाला श्रीनिवास दास।

10. हिंदी कहानी से संबंधित विभिन्न आंदोलनों एवं उनके प्रवर्तकों के नाम लिखिए।
उत्तर-1. नई कहानी-राजेन्द्र यादव, कमलेश्वर, मोहन राकेश। 2. अकहानी-गंगा प्रसाद विमल, 3. सचेतन कहानी-महीप सिंह, 4. समान्तर कहानी-कमलेश्वर।

इकाई-21 शीर्षक-हिंदी नाट्य साहित्य

1. हिंदी नाटकों के विकास की परंपरा को अध्ययन की दृष्टि से कितने भागों में बाँटा गया है।
उत्तर-1. भारतेन्दु युगीन हिंदी नाटक2. प्रसादयुगीन हिंदी नाटक3. प्रसादोत्तर हिंदी नाटक।
2. नाटक किसे कहते हैं ?
उत्तर-नाटक वह गद्य विधा है जिसमें संवादों के माध्यम से कथा आगे बढ़ती है तथा जिसे रंगमंच पर अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है।
3. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद ने नाटक के क्या लक्षण दिये हैं?
उत्तर-आचार्य विश्वनाथ के अनुसार नाटक की कथा लोक प्रसिद्ध है। उसमें पाँच नाट्य संधियों का समावेश, पाँच से लेकर दस अंकों, नायक लोक प्रसिद्ध, धीरोदात्त चरित्र वाला देवता तथा उसमें वीर, श्रृंगार और करुण में से कोई एक रस प्रधान हो।
4. नाटक संबंधी सबसे प्राचीन ग्रंथ कौन सा है ? उसमें नाटक संबंधी कितने तत्व बताए गए हैं ?
उत्तर-भरतमुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र है। इसमें नाटक के तीन तत्व बताए गए हैं। 1. वस्तु 2. नेता 3. रस
5. हिंदी का पहला नाटक किसे माना जाता है ?
उत्तर-हिंदी का पहला नाटक नहुष माना जाता है जिसकी रचना 1857 ई. में गोपालचंद्र गिरधर दास ने की थी।
6. भारतेन्दु जी के मौलिक नाट्य कृतियों के नाम लिखिए।
उत्तर-भारत जननी, वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति, सत्यहरिश्चंद्र, श्रीचंद्रावली नाटिका, विषमस्य विषमौषधम्, भारत दुर्दषा, नीलदेवी, अँधेर नगरी, सतीप्रथा, प्रेमजोगिनी।
7. जयशंकर प्रसाद रचित नाटकों का नामोल्लेख कीजिए।
उत्तर-विशाख, जनमेजय का नागयज्ञ, राज्यश्री, स्कंदगुप्त, चंद्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, अजातशत्रु।
8. मोहन राकेश के नाटकों का नामोल्लेख कीजिए।
उत्तर-आषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस, आधे अधूरे।
9. एकांकी किसे कहते हैं?
उत्तर-एकांकी में केवल एक अंक होता है तथा एक ही घटना का मार्मिक चित्रण होता है।
10. नाटक और एकांकी का अंतर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर-एकांकी प्रायः एक अंक वाले नाटक को कहते हैं। एकांकी में संक्षिप्तता, सांकेतिकता, पात्रों की सीमित संख्या जबकि नाटक कई अंक वाले होते हैं उसमें अनेक घटनाएँ परस्पर संबद्ध होती है। आकार बड़ा होता है। पात्र अधिक होते हैं।

इकाई-22 शीर्षक-हिंदी आलोचना

1. आलोचना किसे कहते हैं ?
उत्तर-किसी रचना की सम्यक् परीक्षा करते हुए उसके गुण-दोषों का उद्घाटन करना समालोचना कहा जाता है।

2. आलोचना के कितने भेद होते हैं ?
   उत्तर-आलोचना के दो भेद होते हैं। 1. सैद्धांतिक आलोचना 2. व्यावहारिक आलोचना
3. सैद्धांतिक आलोचना से संबंधित किन्हीं तीन ग्रंथों और उनके रचनाकारों के नाम लिखिए।
   उत्तर-1.रसमीमांसा-रामचंद्र शुक्ल, 2.साहित्यलोचन-श्यामसुंदर दास 3.रस सिद्धांत-डॉ. नगेन्द्र
4. व्यावहारिक आलोचना से संबंधित किन्हीं तीन ग्रंथों और उनके रचनाकारों के नाम लिखिए।
   उत्तर-1.तुलसीदास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल, 2. निराला-रामविलास शर्मा, कामयनी एक पुनर्विचार-मुक्तिबोध
5. तुलनात्मक आलोचना का सूत्रपात किससे माना जाता है ?
   उत्तर-तुलनात्मक आलोचना का सूत्रपात पद्मसिंह शर्मा ने बिहारी और सादी की तुलना करके किया।
6. आलोचना की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
   उत्तर-आलोचना रचना के गुण-दोषों का उद्घाटन कर कृतिकार को अगली रचनाओं के लिए सजग कर देती है
7. हिंदी में सैद्धांतिक आलोचना की शुरुआत किससे मानी जाती है ?
   उत्तर-हिंदी में सैद्धांतिक आलोचना की शुरुआत भारतेन्दु के 'नाटक' निबंध से मानी जाती है।
8. आलोचक के प्रमुख तीन गुण लिखिए।
   उत्तर-1. सहज प्रतिभा 2. निष्पक्षता 3. सहृदयता
9. प्रगतिवादी आलोचना का अर्थ स्पष्ट कीजिए। इसके प्रवर्तक कौन हैं ?
   उत्तर-मैक्सिक गोर्की को प्रगतिवादी आलोचना का प्रवर्तक माना जाता है। वर्गभेद की पृष्ठभूमि में और मार्क्सवादी सिद्धांतों के आलोक में किसी कृति की आलोचना करना प्रगतिवादी आलोचना है।

10. हिंदी के तीन प्रगतिवादी आलोचकों के नाम बताइये।
    उत्तर- 1. नामवर सिंह 2. शिवदानसिंह चौहान 3. रामविलास शर्मा

इकाई-23 शीर्षक-निबंध

1. हिंदी निबंध के विकास को कितने कालों में विभक्त किया गया है ?
   उत्तर- हिंदी निबंध के विकास को चार कालों में विभक्त किया जा सकता है—1.भारतेन्दु युग 2. द्विवेदी युग 3. शुक्ल युग 4. शुक्लोत्तर युग
2. भारतेन्दु युग के प्रमुख निबंधकारों के नाम बताइये।
   उत्तर-बालकृष्ण भट्ट, बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन', प्रताप नारायण मिश्र, राधाचरण गोस्वामी आदि।
3. निबंध किसे कहते हैं ?
   उत्तर-निबंध उस गद्य रचना को कहते हैं जिसमें लेखक किसी एक विषय पर अपने विचारों को स्वछंद रूप मे इस प्रकार व्यक्त करता है कि सारी रचनाएँ एक सूत्र में बँधी प्रतीत होती है।
4. चिंतामणी क्या है? संक्षिप्त परिचय दीजिए।
   उत्तर-चिंतामणी आचार्च रामचंद्र शुक्ल का निबंध संग्रह है। जिसके प्रथम भाग में कुल 17 निबंध संकलित हैं
5. शुक्ल युग के प्रमुख निबंधकारों के नाम बताइये।
   उत्तर-बाबू गुलाब राय, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, वियोगी हरि, शांतिप्रिय द्विवेदी, माखनलाल चतुर्वेदी आदि हैं।

6. बाबू श्यामसुंदर दास के प्रमुख निबंध संग्रहों के नाम बताइये।
   उत्तर-1. भारतीय साहित्य की विशेषताएँ 2. कर्तव्य और सभ्यता 3. समाज और साहित्य आदि हैं।
7. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के प्रमुख निबंध संग्रह कौन से हैं ?
   उत्तर-अशोक के फूल, कुटज, विचार और वितर्क, विचार प्रवाह, साहित्य सहचर, कल्पलता।
8. कुबेरनाथ राय के प्रमुख निबंध संकलनों के नाम लिखिए।
   उत्तर-कामधेनु, प्रिया नीलकंठी, पर्णमुकुट, माँ कवि की तर्जनी।
9. डॉ. गणपति चंद्र गुप्त ने निबंध के कितने प्रकार बताए हैं?
   उत्तर-डॉ. गणपति चंद्र गुप्त ने पाँच प्रकार बताए हैं—1.विचारात्मक निबंध, 2. भावात्मक निबंध 3. वर्णनात्मक निबंध, 4. विवरणात्मक निबंध 5. आत्मपरक निबंध।
10. डॉ. नगेन्द्र के प्रमुख निबंध संग्रहों के नाम बताइये।
    उत्तर-1. विचार और विवेचन, 2. विचार और अनुभूति, 3. विचार और विश्लेषण आदि।

इकाई-24 शीर्षक-अन्य गद्य विधाएँ

1. रेखाचित्र और संस्मरण में दो अंतर बताइये।
   उत्तर-1. रेखाचित्र रेखात्मक होते हैं और संस्मरण विवरणात्मक होते हैं। 2. रेखाचित्र में वस्तुपरक दृष्टिकोण की प्रधानता होती है जबकि संस्मरण आत्मपरक रचना है।
2. रेखाचित्र का जनक किसे माना जाता है ?
   उत्तर-डॉ. हरवंश लाल शर्मा ने पं. पद्मसिंह शर्मा को संस्मरण एवं रेखाचित्रों का जनक माना है।
3. महादेवी वर्मा के प्रमुख रेखाचित्रों के नाम लिखिए।
   उत्तर-1. अतीत के चलचित्र 2. स्मृति की रेखाएँ 3. पथ के साथी और मेरा परिवार।
4. आत्मकथा से आप क्या समझते हैं ?
   उत्तर-आत्मकथा का अर्थ है अपनी कथा। जब कोई महान व्यक्ति अपने जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं का श्रृंखलाबद्ध विवरण स्वयं लिखता है तब उसे आत्मकथा कहा जाता है।
5. किन्हीं चार प्रमुख आत्मकथा लेखकों के नाम बताइये।
   उत्तर-1. बनरसीदास जैन, 2. भारतेन्दु बाबू हरिश्चंद्र अंबिका दत्त व्यास, देवन्द्र सत्यार्थी
6. किंहीं तीन दलित आत्मकथा लेखकों एवं उनकी रचनाओं के नाम लिखिए।
   उत्तर-जूठन-ओमप्रकाश वाल्मिकी 2. अपने-अपने पिंजरे-मोहनदास नेमिशराय 3. मुरदहिया-तुलसीराम
7. रिपोर्ताज से आप क्या समझते हैं ?
   उत्तर-रिपोर्ताज फ्रांसीसी भाषा का शब्द है। उस गद्य रचना को रिपोर्ताज कहते हैं जिसमें किसी आँखों देखी घटना का साहित्यिक शैली में कलात्मकता के साथ प्रभावशाली विवरण इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है कि घटना अपनी पूरी जीवंतता के साथ पाठक के सामने प्रत्यक्ष हो जाती है।
8. किंहीं चार रिपोर्ताज लेखक और उनकी रचना का नामोल्लेख कीजिए।
   उत्तर-1. शिवदानसिंह चौहान-लक्ष्मीपुरा, 2. रांगेय राघव-तुफानों के बीच, 3. धर्मवीर भारती-युद्ध यात्रा, 4. शमशेर बहादुर सिंह-प्लाट का मोर्चा।
9. यात्रा साहित्य से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर-जब कोई लेखक अपने द्वारा की गई यात्रा का कलात्मक और साहित्यिक विवरण प्रस्तुत करता है तो उस रचना को यात्रावृतांत कहा जाता है।

10. जीवनी से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर-किसी महान व्यक्ति के जीवन का संपूर्ण विवरण क्रमबद्ध रूप में महत्वपूर्ण घटनाओं के माध्यम से जब कोई अन्य लेखक प्रस्तुत करता है तो उस साहित्यिक रचना को जीवनी कहा जाता है।

खंड-ब (लघूत्तरात्मक)
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में लिखिए।

इकाई-1 शीर्षक-आदिकालीन काल विभाजन, नामकरण एवं काल निर्धारण

11. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
12. आदिकाल के नामकरण के संबंध में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के योगदान को स्पष्ट कीजिए।
13. आदिकाल में वीर एवं श्रृंगार रस की प्रधानता है। स्पष्ट कीजिए।
14. आदिकाल के अंतर्गत संकुचित राष्ट्रीयता से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।
15. आदिकाल के नामकरण के संबंध में विभिन्न विद्वानों के मत स्पष्ट कीजिए।
16. वीरगाथा काल के पक्ष-विपक्ष में उपयुक्त तर्क दीजिए।

इकाई-2 शीर्षक-आदिकालीन काव्य की परिस्थिति

1. आदिकाल की धार्मिक परिस्थिति पर प्रकाश डालिए।
2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
3. आदिकाल की सामाजिक एवं आर्थक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।
4. आदिकाल की राजनीतिक परिस्थिति का वर्णन कीजिए।
5. आदिकाल की भाषा प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए।
6. आदिकाल में प्रयुक्त छंदों का परिचय दीजिए।

इकाई-3 शीर्षक-नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य

1. प्रमुख सिद्ध कवियों में सरहपा का स्थान निर्धारित कीजिए।
2. वज्रयान से क्या अभिप्राय है ? सिद्धों से इसका क्या संबंध है?
3. नाथ संप्रदाय का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
4. नाथ संप्रदाय की प्रमुख मान्यताएँ क्या हैं? स्पष्ट कीजिए।
5. प्रमुख जैन कवियों एवं उनकी रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।
6. जैन साहित्य का प्रतिपाद्य विषय क्या है ?

इकाई-4 शीर्षक-रासो काव्य एवं लौकिक काव्य

1. रासो काव्य परंपरा का परिचय देते हुए पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता पर प्रकाश डालिए।
2. रासो शब्द की व्युत्पत्ति पर प्रकाश डालिए।
3. आचर्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार रासो काव्य परंपरा के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।

4. बीसलदेव रासो के कथानक को स्पष्ट कीजिए।
5. विद्यापति भक्त कवि हैं या श्रृंगारी कवि ? सप्रमाण विवेचना कीजिए।
6. ढोला मारू रा दूहा का संक्षिप्त परिचय दीजीए।

इकाई-5 शीर्षक-भक्तिकालीन काव्य की परिस्थिति

1. रामचंद्र शुक्ल के अनुसार भक्ति आंदोलन के प्रमुख कारणों का उल्लेख कीजिए।
2. भक्तिकाल को हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग कहा जाता है । स्पष्ट कीजिए।
3. 'भक्ति साहित्य सचमुच सामाजिक-सांस्कृतिक नवजागरण की उपज है'—इस कथन की समीक्षा कीजिए।
4. भक्तिकाल को लोक-जागरण की अभिव्यक्ति क्यों कहते हैं ? सतर्क उत्तर दीजिए।
5. भक्तिकाल का स्वरूप एवं भेद का वर्णन कीजिए।
6. भक्तिकालीन हिंदी साहित्य के परिवेश का वर्णन कीजिए।

इकाई-6 शीर्षक-निर्गुण भक्ति काव्य-ज्ञानमार्गी संत काव्य

1. हिंदी संत काव्य की सांस्कृतिक और साहित्यिक उपलब्धियों का उल्लेख कीजिए।
2. संत काव्य का दार्शनिक आधार क्या है? स्पष्ट कीजिए।
3. रैदास के काव्य में मानव-मूल्य पर प्रकाश डालिए।
4. रामानंद के प्रमुख शिष्यों और उनकी प्रमुख रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।
5. दादूदयाल तथा मलूक दास की प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।
6. कबीर की उलटवासियों पर प्रकाश डालिए।

इकाई-7 शीर्षक- निर्गुण भक्ति काव्य-प्रेममार्गी सूफी काव्य

1. सूफी शब्द की व्युत्पत्ति पर प्रकाश डालिए।
2. सूफी मत के स्रोत का क्या आधार है? स्पष्ट कीजिए।
3. सूफी धर्म का भारत में प्रचार-प्रसार करने वाले प्रमुख संप्रदायों का उल्लेख कीजिए।
4. सूफी कवियों की प्रमुख मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।
5. जायसी कृत पद्मावत के महत्व पर प्रकाश डालिए।
6. प्रमुख प्रेमाख्यानक कवियों एवं उनकी रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

इकाई-8 शीर्षक-सगुण भक्तिकाव्य-कृष्ण भक्ति काव्यधारा

1. अष्टछाप के कवियों का परिचय दीजिए।
2. पुष्टि का अर्थ स्पष्ट करते हुए पुष्टि भक्ति पर प्रकाश डालिए।
3. भ्रमरगीत परंपरा में सूरदास का स्थान स्पष्ट कीजिए।
4. सूरदास की गीत योजना की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
5. सूरदास का परिचय देते हुए प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए।
6. रसखान का परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का वर्णन कीजिए।

इकाई-9 शीर्षक-सगुण भक्तिकाव्य-रामभक्ति काव्य

1. रामकाव्य परंपरा के भक्त कवि रामानंद के विषय में आप क्या जानते हैं। स्पष्ट कीजिए।
2. गोस्वामी तुलसीदास जी का जीवन परिचय देते हुए प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।
3. तुलसीदास की विनयपत्रिका का सामान्य परिचय दीजिए।
4. गोस्वामी तुलसीदास की भक्तिभावना की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
5. 'रामचरित मानस' के कांडों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
6. तुलसी के दार्शनिक चिंतन को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-10 शीर्षक-रीतिकालीन काव्य की परिस्थिति

1. रीतिकाल की सामाजिक परिस्थित का वर्णन कीजिए।
2. रीतिकाल की साहित्यिक परिस्थिति का वर्णन कीजिए।
3. रीतिकाल की राजनीतिक परिस्थिति का वर्णन कीजिए।
4. रीतिकाल की धार्मिक परिस्थिति का वर्णन कीजिए।
5. रीतिकाल में श्रृंगार एवं वीर रस की प्रधानता है। स्पष्ट कीजिए।
6. रीतिकालीन काव्य में अलंकारिकता की प्रधानता है। स्पष्ट कीजिए।

इकाई-11 शीर्षक-रीतिकालीन कविता का स्वरूप, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य

1. ऋतुवर्णन में सेनापति का योगदान पर प्रकाश डालिए।
2. केशवदास को कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है। स्पष्ट कीजिए।
3. लक्षण ग्रंथ से क्या अभिप्राय है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
4. घनानंद के विरह-वर्णन की विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
5. रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
6. रीतिकाल में वीर रस का कवि किसे कहा जाता है। उसकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

इकाई-12 शीर्षक-आधुनिक काव्य की पृष्ठभूमि

1. आधुनिक काल का नामकरण एवं समय-सीमा स्पष्ट कीजिए।
2. आधुनिक काल को कितने खंडों में विभाजित किया गया है। स्पष्ट कीजिए।
3. आधुनिक कविता के उद्गम एवं विकास पर प्रकाश डालिए।
4. आधुनिक हिंदी कविता की भाषा पर प्रकाश डालिए।
5. आधुनिक काव्य की प्रमुख साहित्यिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।
6. आधुनिक काव्य में खड़ी बोली के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-13 शीर्षक-भारतेन्दु युग का काव्य

1. भारतेन्दु मंडल के साहित्यकारों में पंडित प्रताप नारायण मिश्र का प्रदेय स्पष्ट कीजिए।

2. भारतेन्दु की मुकरियों पर प्रकाशडालिए।
3. भारतेन्दु युग में हास्य-व्यंग्य की प्रधानता है । स्पष्ट कीजिए।
4. भारतेन्दु युगीन काव्य में राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए।
5. भारतेन्दु युग की शिल्प विधा पर प्रकाश डालिए।
6. समस्या-पूर्ति से आप क्या समझते हैं। स्पष्ट कीजिए।

इकाई-14 शीर्षक-द्विवेदी युग का काव्य

1. द्विवेदी युगीन काव्य में सरस्वती पत्रिका के योगदान को स्पष्ट कीजिए।
2. इतिवृत्तात्मकता से आप क्या समझते हैं। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
3. गया प्रसाद शुक्ल सनेही के काव्य में राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए।
4. 'भारत भारती' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
5. हिंदी साहित्य के विकास में महावीर प्रसाद द्विवेदी का प्रदेय को रेखांकित कीजिए।
6. हिंदी नवजागरण में महावीर प्रसाद द्विवेदी का योगदान स्पष्ट कीजिए।

इकाई-15 शीर्षक-छायावाद

1. जयशंकर प्रसाद की काव्य कला पर प्रकाश डालिए।
2. निराला का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।
3. पंत प्रकृति के सुकुमार कवि कहे जाते हैं। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
4. महादेवी वर्मा को आधुनिक युग की मीरा कहा जाता है। स्पष्ट कीजिए।
5. छायावाद पर गांधी जी के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।
6. छायावादी काव्य में रहस्यवाद को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-16 शीर्षक-उत्तरछायावादी कविता

1. रामनरेश त्रिपाठी की प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।
2. रामधारी सिंह दिनकर का संक्षिप्त परिचय देते हुए प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।
3. माखन लाल चतुर्वेदी को 'एक भारतीय आत्मा कहा जाता है' स्पष्ट कीजिए।
4. सुभद्रा कुमारी चौहान के काव्य में राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए।
5. हरिबंश राय बच्चन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी प्रमुख काव्य कृतियों का उल्लेख कीजिए।
6. उत्तरछायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

इकाई-17 शीर्षक-प्रगतिवादी काव्य

1. केदारनाथ अग्रवाल की कविताओं पर समीक्षात्मक लेख लिखिए।
2. प्रगतिवादी काव्य की सामाजिक दृष्टि पर प्रकाश डालिए।
3. नागार्जुन की यथार्थ चेतना एवं लोकदृष्टि को स्पष्ट कीजिए।
4. त्रिलोचन का संक्षिप्त परिचय देते हुए प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

5. रांगेय राघव की काव्य कला पर प्रकाश डालिए।
6. केदारनाथ अग्रवाल का प्रकृति चित्रण स्पष्ट कीजिए।

इकाई-18 शीर्षक-प्रयोगवाद और नई कविता

1. तार सप्तक के प्रमुख कवियों का उल्लेख कीजिए।
2. अज्ञेय की प्रयोग धर्मिता पर प्रकाश डालिए।
3. भवानी प्रसाद मिश्र का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी प्रमुख काव्य कृतियों का उल्लेख कीजिए।
4. नई कविता में व्यष्टि-समष्टि बोध को स्पष्ट कीजिए।
5. शमशेर बहादुर की काव्य-कृतियों का उल्लेख कीजिए।
6. मुक्तिबोध के काव्य में फैटेसी को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-19 शीर्षक-समकालीन कविता

1. समकालीन काव्य के परिप्रेक्ष्य में केदारनाथ सिंह के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।
2. रघुंवीर सहाय के काव्य में राजनीतिक चेतना पर प्रकाश डालिए।
3. कुँवरनारायण के काव्य में मिथकीय चेतना को स्पष्ट कीजिए।
4. नवगीत परंपरा के प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए।
5. समकालीन कविता में लोक-तत्व को स्पष्ट कीजिए।
6. धमिक के काव्य में जनचेतना को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-20 शीर्षक-हिंदी कथा साहित्य

1. हिंदी कहानी से संबंधित विभिन्न आंदोलन और उनके प्रवर्तकों का परिचय दीजिए।
2. उपन्यास के प्रमुख तत्वों का वर्णन कीजिए।
3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी की गति और स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
4. प्रेमचंद की कहानी कला की विशेषता बतलाइए।
5. आंचलिक उपन्यास किसे कहते हैं? प्रमुख आंचलिक उपन्यासों का नामोल्लेख कीजिए।
6. प्रसाद की कहानी कला की प्रमुख विशेषता बतलाइए।

इकाई-21 शीर्षक-हिंदी नाट्य साहित्य

1. भारतेन्दु हरिश्चंद्र की नाट्य कृतियों की विषयवस्तु का उल्लेख कीजिए।
2. जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित नाटकों का समीक्षात्मक परिचय दीजिए।
3. हिंदी नाटक के उद्भव पर प्रकाश डालिए।
4. अभिनेयता और रंगमंचीयता का क्या अभिप्राय है?
5. नाटक का नायक किसे कहते हैं ? उसके प्रकारों का सविस्तार वर्णन कीजिए।
6. वृंदावन लाल वर्मा के प्रमुख ऐतिहासिक नाटकों का वर्णन कीजिए।

इकाई-22 शीर्षक-हिंदी आलोचना

1. हिंदी आलोचना के विकास में आचार्य रामचंद्र शुक्ल के योगदान पर प्रकाश डालिए।
2. हिंदी आलोचना और हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. प्रगतिवादी आलोचना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
4. आलोचना के क्षेत्र में डॉ. रामविलास शर्मा के योगदान पर एक विवचनात्मक निबंध लिखिए।
5. सैद्धांतिक आलोचना पर निबंध लिखिए।
6. क्या रामचंद्र शुक्ल रसवादी दृष्टि और लोकमंगल की अवधारणा में समन्वय करने में सफल हुए हैं? स्पष्ट कीजिए।

इकाई-23 शीर्षक-निबंध

1. निबंध किसे कहते हैं? प्रमुख प्रकारों का वर्णन कीजिए।
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की निबंध कला की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
3. विद्यानिवास मिश्र की निबंध कला पर प्रकाश डालिए।
4. भारतेन्दु युग के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों का परिचय दीजिए।
5. शुक्लोत्तर युग के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों का परिचय दीजिए।
6. हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों में सांस्कृतिक बोध एवं लोक तत्व को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-24 शीर्षक-अन्य गद्य विधाएँ

1. महादेवी वर्मा के प्रमुख रेखाचित्रों का वर्णन कीजिए।
2. आत्मकथा लेखन की परंपरा में डॉ. हरिवंश राय बच्चन के योगदान को स्पष्ट कीजिए।
3. रिपोर्ताज से आप क्या समझते हैं? प्रमुख रिपोर्ताज लेखकों का परिचय दीजिए।
4. इंटरव्यू-साहित्य पर एक निबंध लिखिए।
5. डायरी लेखन का सविस्तार वर्णन कीजिए।
6. संस्मरण लेखन से आप क्या समझते हैं? प्रमुख संस्मरणों का उल्लेख कीजिए।

खंड-स (निबंधात्मक)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में लिखिए।

इकाई-1 शीर्षक-आदिकालीन काल विभाजन, नामकरण एवं काल निर्धारण

17. हिंदी साहित्य के काल विभाजन का उल्लेख करते हुए आदिकाल पर प्रकाश डालिए।
18. आपकी दृष्टि में हिंदी साहित्य के प्रारंभिक काल का नामकरण क्या होना चाहिए ? अपने विचारों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
19. आदिकाल के काल-निर्धारण और नामकरण की समस्या पर विचार कीजिए।
20. आदिकाल को वीरगाथा काल कहना कहाँ तक औचित्यपूर्ण है।

इकाई-2 शीर्षक-आदिकालीन काव्य की परिस्थिति

1. आदिकाल की सामाजिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।
2. आदिकाल की राजनीतिक एवं धार्मिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार वीरगाथाकालीन परिवेश का वर्णन कीजिए।
4. आदिकाल की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों का उल्लेख कीजिए।

इकाई-3 शीर्षक-नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य

1. नाथ साहित्य का वर्णन करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।
2. सिद्ध साहित्य के प्रमुख कवियों का परिचय देते हुए उसके सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
3. जैन साहित्य के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।
4. हिंदी साहित्य में नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-4 शीर्षक-रासो काव्य एवं लौकिक काव्य

1. रासो काव्य परंपरा की विशेषाओं का उल्लेख करते हुए बीसलदेव रासो के योगदान पर प्रकाश डालिए।
2. पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता और अप्रामाणिकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।
3. लौकिक साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
4. लौकिक साहित्य के प्रमुख कवियों और रचनाओं का परिचय दीजिए।

इकाई-5 शीर्षक-भक्तिकालीन काव्य की परिस्थिति

1. भक्तिकाल के उदय की परिस्थितियों का विवरण देते हुए इनकी सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
2. भक्तिकाल की सामाजिक एवं धार्मिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।
3. भक्तिकालीन साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।
4. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

इकाई-6 शीर्षक-निर्गुण भक्ति काव्य-ज्ञानमार्गी संत काव्य

1. कबीर के दार्शनिक चिंतन पर प्रकाश डालिए।
2. संतकाव्य धारा की सामान्य प्रवृत्तियों का आलोचनात्मक परिचय दीजिए।
3. कबीर की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए।
4. संतकाव्य के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओंका सविस्तार वर्णन कीजिए।

इकाई-7 शीर्षक- निर्गुण भक्ति काव्य-प्रेममार्गी सूफी काव्य

1. प्रमुख सूफी काव्य ग्रंथों का आलोचनात्मक परिचय दीजिए।
2. सूफी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।
3. प्रेमाख्यानक काव्य परंपरा की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए जायसी के योगदान पर प्रकाश डालिए।
4. सूफी मत का वैचारिक आधार क्या है? स्पष्ट कीजिए।

इकाई-8 शीर्षक-सगुण भक्तिकाव्य-कृष्ण भक्ति काव्यधारा

1. कृष्ण भक्ति काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।
2. कृष्ण काव्य धारा के प्रमुख संप्रदायों का परिचय दीजिए।
3. कृष्ण भक्ति काव्य धारा के प्रमुख कवियों और उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।
4. कृष्ण भक्ति काव्य धारा के फुटकल कवियों का उल्लेख करते हुए मीरा के योगदान को रेखांकित कीजिए।

इकाई-9 शीर्षक-सगुण भक्तिकाव्य-रामभक्ति काव्य

1. राम भक्ति काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
2. तुलसीदास को लोकनायक क्यों कहा जाता है? उनकी समन्वय की प्रवृत्ति पर प्रकाश डालिए।
3. रामभक्ति काव्यधारा में तुलसी का स्थान सर्वोपरि है । स्पष्ट कीजिए।
4. रामभक्ति काव्य धारा के प्रमुख संप्रदायों का परिचय दीजिए।

इकाई-10 शीर्षक-रीतिकालीन काव्य की परिस्थिति

1. रीतिकाल के नामकरण के संबंध में प्रमुख समीक्षकों के विचारों का उल्लेख करते हुए रीतिकाल नाम की सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।
2. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।
3. रीतिकाल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट कीजिए।
4. रीतिकालीन राजनैतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।

इकाई-11 शीर्षक-रीतिकालीन कविता का स्वरूप, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य

1. रीतिबद्ध काव्य के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।
2. बिहारी को रीति-सिद्ध कवि क्यों माना जाता है? उनकी सतसई की लोकप्रियता के कारण बताइये।

3. रीतिमुक्त काव्य के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।
4. रीतिबद्ध काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

इकाई-12 शीर्षक-आधुनिक काव्य की पृष्ठभूमि

1. आधुनिक काल के हिंदी साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।
2. आधुनिक हिंदी कविता की विभिन्न धाराओं का परिचय दीजिए।
3. आधुनिकता के उदय की पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए।
4. आधुनिकता की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-13 शीर्षक-भारतेन्दु युग का काव्य

1. भारतेन्दु युग के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।
2. भारतेन्दु युगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
3. हिंदी पुनर्जागरण और भारतेन्दु युग में भारतेन्दु हरिश्चंद का स्थान निर्धारण कीजिए।
4. भारतेन्दु हरिश्चंद की काव्य कृतियों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

इकाई-14 शीर्षक-द्विवेदी युग का काव्य

1. द्विवेदी युग के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।
2. द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
3. मैथिलीशरण गुप्त की रचनाओं में राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए।
4. अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध कृत 'प्रियप्रवास' के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

इकाई-15 शीर्षक-छायावाद

1. छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
2. छायावाद का अर्थ एवं परिभाषा स्पष्ट कीजिए।
3. छायावाद के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।
4. छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है। स्पष्ट कीजिए।

इकाई-16 शीर्षक-उत्तरछायावादी कविता

1. उत्तरछायावादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
2. उत्तरछायावादी कविता के प्रमुक कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।
3. हरिवंश राय बच्चन का परिचय देते हुए 'मधुशाला' पर प्रकाश डालिए।
4. राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।

इकाई-17 शीर्षक-प्रगतिवादी काव्य

1. प्रगतिवाद के तत्वों को बताते हुए प्रगतिवादी कवियों की समीक्षा कीजिए।

2. हिंदी के प्रगतिवादी काव्य का विकास क्रम बताते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
3. प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
4. प्रगतिवादी काव्यधारा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

इकाई-18 शीर्षक-प्रयोगवाद और नई कविता

1. हिंदी साहित्य में प्रयोगवादी विचारधारा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2. प्रयोगवाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
3. नई कविता की प्रमुख विशेषताएँ बतलाइये।
4. नई कविता के स्वरूप और उसके प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

इकाई-19 शीर्षक-समकालीन कविता

1. समकालीन कविता में अकविता एक आंदोलन है। स्पष्ट कीजिए।
2. हिंदी 'नवगीत' परंपरा से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।
3. समकालीन हिंदी कविता की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
4. हिंदी काव्य में 'नवगीत' काव्य की विशेषताएँ तथा उसकी उपलब्धियों पर प्रकाश डालिए।

इकाई-20 शीर्षक-हिंदी कथा साहित्य

1. हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।
2. हिंदी कहानी के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।
3. प्रेमचंदपूर्व हिंदी उपन्यासों का परिचय दीजिए।
4. जयशंकर प्रसाद की कहानी कला पर प्रकाश डालिए।

इकाई-21 शीर्षक-हिंदी नाट्य साहित्य

1. हिंदी नाटक के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।
2. भारतेंदुयुगीन हिंदी नाटकों का परिचय दीजिए।
3. हिंदी नाटक के विकास में प्रसाद युग का महत्व स्पष्ट कीजिए।
4. प्रसादोत्तर नाटकों पर एक निबंध लिखिए।

इकाई-22 शीर्षक-हिंदी आलोचना

1. हिंदी आलोचना के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।
2. हिंदी आलोचना के क्षेत्र में रामचंद्र शुक्ल के प्रदेय को स्पष्ट कीजिए।
3. हिंदी के प्रमुख आलोचक एवं उनकी कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।
4. व्यावहारिक आलोचना को स्पष्ट करते हुए प्रमख पद्धतियों पर प्रकाश डालिए।

इकाई-23 शीर्षक-निबंध

1. हिंदी निबंध के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।
2. द्विवेदी युग के प्रमुख निबंधकारों तथा उनके महत्व पर प्रकाश डालिए।
3. ललित निबंध से आप क्या समझते हैं ? प्रमुख ललित निबंधकारों का परिचय दीजिए।
4. हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार एवं उनकी कृतियों का परिचय दीजिए।

इकाई-24 शीर्षक-अन्य गद्य विधाएँ

1. रेखाचित्र से आप क्या समझते हैं? प्रमुख रेखाचित्रों का नामोल्लेख कीजिए।
2. हिंदी एकांकी के उद्भव और विकास पर निबंध लिखिए।
3. जीवनी और आत्मकथा के अंतर को स्पष्ट करते हुए प्रमुख आत्मकथाकारों का परिचय दीजिए।
4. हिंदी में यात्रा साहित्य पर एक निबंध लिखिए।

खंड-ब (लघूत्तरात्मक)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में लिखिए।

1. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
2. आदिकाल के नामकरण के संबंध में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के योगदान को स्पष्ट कीजिए।
3. आदिकाल में वीर एवं श्रृंगार रस की प्रधानता है। स्पष्ट कीजिए।
4. आदिकाल के अंतर्गत संकुचित राष्ट्रीयता से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।
5. आदिकाल के नामकरण के संबंध में विभिन्न विद्वानों के मत स्पष्ट कीजिए।
6. वीरगाथा काल के पक्ष-विपक्ष में उपयुक्त तर्क दीजिए।
7. आदिकाल की धार्मिक परिस्थिति पर प्रकाश डालिए।
8. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।
9. आदिकाल की सामाजिक एवं आर्थक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।
10. आदिकाल की राजनीतिक परिस्थिति का वर्णन कीजिए।
11. आदिकाल की भाषा प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए।
12. आदिकाल में प्रयुक्त छंदों का परिचय दीजिए।
13. प्रमुख सिद्ध कवियों में सरहपा का स्थान निर्धारित कीजिए।
14. वज्रयान से क्या अभिप्राय है ? सिद्धों से इसका क्या संबंध है?
15. नाथ संप्रदाय का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
16. नाथ संप्रदाय की प्रमुख मान्यताएँ क्या हैं? स्पष्ट कीजिए।
17. प्रमुख जैन कवियों एवं उनकी रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।
18. जैन साहित्य का प्रतिपाद्य विषय क्या है ?
19. रासो काव्य परंपरा का परिचय देते हुए पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता पर प्रकाश डालिए।
20. रासो शब्द की व्युत्पत्ति पर प्रकाश डालिए।

21. आचर्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार रासो काव्य परंपरा के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।

22. बीसलदेव रासो के कथानक को स्पष्ट कीजिए।

23. विद्यापति भक्त कवि हैं या श्रृंगारी कवि ? सप्रमाण विवेचना कीजिए।

24. ढोला मारू रा दूहा का संक्षिप्त परिचय दीजीए।

25. रामचंद्र शुक्ल के अनुसार भक्ति आंदोलन के प्रमुख कारणों का उल्लेख कीजिए।

26. भक्तिकाल को हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग कहा जाता है । स्पष्ट कीजिए।

27. 'भक्ति साहित्य सचमुच सामाजिक-सांस्कृतिक नवजागरण की उपज है'—इस कथन की समीक्षा कीजिए।

28. भक्तिकाल को लोक-जागरण की अभिव्यक्ति क्यों कहते हैं ? सतर्क उत्तर दीजिए।

29. भक्तिकाल का स्वरूप एवं भेद का वर्णन कीजिए।

30. भक्तिकालीन हिंदी साहित्य के परिवेश का वर्णन कीजिए।

31. हिंदी संत काव्य की सांस्कृतिक और साहित्यिक उपलब्धियों का उल्लेख कीजिए।

32. संत काव्य का दार्शनिक आधार क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

33. रैदास के काव्य में मानव-मूल्य पर प्रकाश डालिए।

34. रामानंद के प्रमुख शिष्यों और उनकी प्रमुखरचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।

35. दादूदयाल तथा मलूक दास की प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

36. कबीर की उलटवासियों पर प्रकाश डालिए।

37. सूफी शब्द की व्युत्पत्ति पर प्रकाश डालिए।

38. सूफी मत के स्रोत का क्या आधार है ? स्पष्ट कीजिए।

39. सूफी धर्म का भारत में प्रचार-प्रसार करने वाले प्रमुख संप्रदायों का उल्लेख कीजिए।

40. सूफी कवियों की प्रमुख मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।

41. जायसी कृत पद्मावत के महत्व पर प्रकाश डालिए।

42. प्रमुख प्रेमाख्यानक कवियों एवं उनकी रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

43. अष्टछाप के कवियों का परिचय दीजिए।

44. पुष्टि का अर्थ स्पष्ट करते हुए पुष्टि भक्ति पर प्रकाश डालिए।

45. भ्रमरगीत परंपरा में सूरदास का स्थान स्पष्ट कीजिए।

46. सूरदास की गीत योजना की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

47. सूरदास का परिचय देते हुए प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए।

48. रसखान का परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का वर्णन कीजिए।

49. रामकाव्य परंपरा के भक्त कवि रामानंद के विषय में आप क्या जानते हैं। स्पष्ट कीजिए।

50. गोस्वामी तुलसीदास जी का जीवन परिचय देते हुए प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

51. तुलसीदास की विनयपत्रिका का सामान्य परिचय दीजिए।

52. गोस्वामी तुलसीदास की भक्तिभावना की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

53. 'रामचरित मानस' के कांडों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

54. तुलसी के दार्शनिक चिंतन को स्पष्ट कीजिए।

55. रीतिकाल की सामाजिक परिस्थित का वर्णन कीजिए।

56. रीतिकाल की साहित्यिक परिस्थिति का वर्णन कीजिए।

57. रीतिकाल की राजनीतिक परिस्थिति का वर्णन कीजिए।

58. रीतिकाल की धार्मिक परिस्थिति का वर्णन कीजिए।

59. रीतिकाल में श्रृंगार एवं वीर रस की प्रधानता है। स्पष्ट कीजिए।

60. रीतिकालीन काव्य में अलंकारिकता की प्रधानता है। स्पष्ट कीजिए।

61. ऋतुवर्णन में सेनापति का योगदान पर प्रकाश डालिए।

62. केशवदास को कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है। स्पष्ट कीजिए।

63. लक्षण ग्रंथ से क्या अभिप्राय है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

64. घनानंद के विरह-वर्णन की विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

65. रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

66. रीतिकाल में वीर रस का कवि किसे कहा जाता है। उसकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

67. आधुनिक काल का नामकरण एवं समय-सीमा स्पष्ट कीजिए।

68. आधुनिक काल को कितने खंडों में विभाजित किया गया है। स्पष्ट कीजिए।

69. आधुनिक कविता के उद्गम एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

70. आधुनिक हिंदी कविता की भाषा पर प्रकाश डालिए।

71. आधुनिक काव्य की प्रमुख साहित्यिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

72. आधुनिक काव्य में खड़ी बोली के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

73. भारतेन्दु मंडल के साहित्यकारों में पंडित प्रताप नारायण मिश्र का प्रदेय स्पष्ट कीजिए।

74. भारतेन्दु की मुकरियों पर प्रकाश डालिए।

75. भारतेन्दु युग में हास्य-व्यंग्य की प्रधानता है। स्पष्ट कीजिए।

76. भारतेन्दु युगीन काव्य में राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए।

77. भारतेन्दु युग की शिल्प विधा पर प्रकाश डालिए।

78. समस्या-पूर्ति से आप क्या समझते हैं। स्पष्ट कीजिए।

79. द्विवेदी युगीन काव्य में सरस्वती पत्रिका के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

80. इतिवृत्तात्मकता से आप क्या समझते हैं। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

81. गया प्रसाद शुक्ल सनेही के काव्य में राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए।

82. 'भारत भारती' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

83. हिंदी साहित्य के विकास में महावीर प्रसाद द्विवेदी का प्रदेय को रेखांकित कीजिए।

84. हिंदी नवजागरण में महावीर प्रसाद द्विवेदी का योगदान स्पष्ट कीजिए।

85. जयशंकर प्रसाद की काव्य कला पर प्रकाश डालिए।

86. निराला का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।

87. पंत प्रकृति के सुकुमार कवि कहे जाते हैं। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

88. महादेवी वर्मा को आधुनिक युग की मीरा कहा जाता है। स्पष्ट कीजिए।

89. छायावाद पर गांधी जी के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

90. छायावादी काव्य में रहस्यवाद को स्पष्ट कीजिए।

91. रामनरेश त्रिपाठी की प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

92. रामधारी सिंह दिनकर का संक्षिप्त परिचय देते हुए प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

93. माखन लाल चतुर्वेदी को 'एक भारतीय आत्मा कहा जाता है' स्पष्ट कीजिए।

94. सुभद्रा कुमारी चौहान के काव्य में राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए।

95. हरिबंश राय बच्चन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी प्रमुख काव्य कृतियों का उल्लेख कीजिए।

96. उत्तरछायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

97. केदारनाथ अग्रवाल की कविताओं पर समीक्षात्मक लेख लिखिए।

98. प्रगतिवादी काव्य की सामाजिक दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

99. नागार्जुन की यथार्थ चेतना एवं लोक-दृष्टि को स्पष्ट कीजिए।

100. त्रिलोचन का संक्षिप्त परिचय देते हुए प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

101. रांगेय राघव की काव्य कला पर प्रकाश डालिए।

102. केदारनाथ अग्रवाल का प्रकृति चित्रण स्पष्ट कीजिए।

103. तार सप्तक के प्रमुख कवियों का उल्लेख कीजिए।

104. अज्ञेय की प्रयोग धर्मिता पर प्रकाश डालिए।

105. भवानी प्रसाद मिश्र का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी प्रमुख काव्य कृतियों का उल्लेख कीजिए।

106. नई कविता में व्यष्टि-समष्टि बोध को स्पष्ट कीजिए।

107. शमशेर बहादुर की काव्य-कृतियों का उल्लेख कीजिए।

108. मुक्तिबोध के काव्य में फैंटेसी को स्पष्ट कीजिए।

109. समकालीन काव्य के परिप्रेक्ष्य में केदारनाथ सिंह के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

110. रघुवीर सहाय के काव्य में राजनीतिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

111. कुँवरनारायण के काव्य में मिथकीय चेतना को स्पष्ट कीजिए।

112. नवगीत परंपरा के प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

113. समकालीन कविता में लोक-तत्व को स्पष्ट कीजिए।

114. धमिक के काव्य में जनचेतना को स्पष्ट कीजिए।

115. हिंदी कहानी से संबंधित विभिन्न आंदोलन और उनके प्रवर्तकों का परिचय दीजिए।

116. उपन्यास के प्रमुख तत्वों का वर्णन कीजिए।

117. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी की गति और स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

118. प्रेमचंद की कहानी कला की विशेषता बतलाइए।

119. आंचलिक उपन्यास किसे कहते हैं? प्रमुख आंचलिक उपन्यासों का नामोल्लेख कीजिए।

120. प्रसाद की कहानी कला की प्रमुख विशेषता बतलाइए।

121. भारतेन्दु हरिश्चंद्र की नाट्य कृतियों की विषयवस्तु का उल्लेख कीजिए।

122. जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित नाटकों का समीक्षात्मक परिचय दीजिए।

123. हिंदी नाटक के उद्भव पर प्रकाश डालिए।

124. अभिनेयता और रंगमंचीयता का क्या अभिप्राय है?

125. नाटक का नायक किसे कहते हैं? उसके प्रकारों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

126. वृंदावन लाल वर्मा के प्रमुख ऐतिहासिक नाटकों का वर्णन कीजिए।

127. हिंदी आलोचना के विकास में आचार्य रामचंद्र शुक्ल के योगदान पर प्रकाश डालिए।

128. हिंदी आलोचना और हजारी प्रसाद द्विवेदी

129. प्रगतिवादी आलोचना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

130. आलोचना के क्षेत्र में डॉ. रामविलास शर्मा के योगदान पर एक विवचनात्मक निबंध लिखिए।

131. सैद्धांतिक आलोचना पर निबंध लिखिए।

132. क्या रामचंद्र शुक्ल रसवादी दृष्टि और लोकमंगल की अवधारणा में समन्वय करने में सफल हुए हैं? स्पष्ट कीजिए।

133. निबंध किसे कहते हैं? प्रमुख प्रकारों का वर्णन कीजिए।

134. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की निबंध कला की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

135. विद्यानिवास मिश्र की निबंध कला पर प्रकाश डालिए।

136. भारतेन्दु युग के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों का परिचय दीजिए।

137. शुक्लोत्तर युग के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों का पस्चिय दीजिए।

138. हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों में सांस्कृतिक बोध एवं लोक तत्व को स्पष्ट कीजिए।

139. महादेवी वर्मा के प्रमुख रेखाचित्रों का वर्णन कीजिए।

140. आत्मकथा लेखन की परंपरा में डॉ. हरिवंश राय बच्चन के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

141. रिपोर्ताज से आप क्या समझते हैं? प्रमुख रिपोर्ताज लेखकों का परिचय दीजिए।

142. इंटरव्यू-साहित्य पर एक निबंध लिखिए।

143. डायरी लेखन का सविस्तार वर्णन कीजिए।

144. संस्मरण लेखन से आप क्या समझते हैं? प्रमुख संस्मरणों का उल्लेख कीजिए।

खंड-स (निबंधात्मक)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में लिखिए।

1. हिंदी साहित्य के काल विभाजन का उल्लेख करते हुए आदिकाल पर प्रकाश डालिए।
2. आपकी दृष्टि में हिंदी साहित्य के प्रारंभिक काल का नामकरण क्या होना चाहिए ? अपने विचारों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
3. आदिकाल के काल-निर्धारण और नामकरण की समस्या पर विचार कीजिए।
4. आदिकाल को वीरगाथा काल कहना कहाँ तक औचित्यपूर्ण है।
5. आदिकाल की सामाजिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।
6. आदिकाल की राजनीतिक एवं धार्मिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।
7. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार वीरगाथाकालीन परिवेश का वर्णन कीजिए।
8. आदिकाल की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों का उल्लेख कीजिए।
9. नाथ साहित्य का वर्णन करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।
10. सिद्ध साहित्य के प्रमुख कवियों का परिचय देते हुए उसके सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
11. जैन साहित्य के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।
12. हिंदी साहित्य में नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
13. रासो काव्य परंपरा की विशेषाओं का उल्लेख करते हुए बीसलदेव रासो के योगदान पर प्रकाश डालिए।
14. पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता और अप्रामाणिकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।
15. लौकिक साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
16. लौकिक साहित्य के प्रमुख कवियों और रचनाओं का परिचय दीजिए।
17. भक्तिकाल के उदय की परिस्थितियों का विवरण देते हुए इनकी सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
18. भक्तिकाल की सामाजिक एवं धार्मिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।
19. भक्तिकालीन साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।
20. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

21. कबीर के दार्शनिक चिंतन पर प्रकाश डालिए।

22. संतकाव्य धारा की सामान्य प्रवृत्तियों का आलोचनात्मक परिचय दीजिए।

23. कबीर की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए।

24. संतकाव्य के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का सविस्तार वर्णन कीजिए।

25. प्रमुख सूफी काव्य ग्रंथों का आलोचनात्मक परिचय दीजिए।

26. सूफी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

27. प्रेमाख्यानक काव्य परंपरा की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए जायसी के योगदान पर प्रकाश डालिए।

28. सूफी मत का वैचारिक आधार क्या है? स्पष्ट कीजिए।

29. कृष्ण भक्ति काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

30. कृष्ण काव्य धारा के प्रमुख संप्रदायों का परिचय दीजिए।

31. कृष्ण भक्ति काव्य धारा के प्रमुख कवियों और उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।

32. कृष्ण भक्ति काव्य धारा के फुटकल कवियों का उल्लेख करते हुए मीरा के योगदान को रेखांकित कीजिए।

33. राम भक्ति काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

34. तुलसीदास को लोकनायक क्यों कहा जाता है? उनकी समन्वय की प्रवृत्ति पर प्रकाश डालिए।

35. रामभक्ति काव्यधारा में तुलसी का स्थान सर्वोपरि है। स्पष्ट कीजिए।

36. रामभक्ति काव्य धारा के प्रमुख संप्रदायों का परिचय दीजिए।

37. रीतिकाल के नामकरण के संबंध में प्रमुख समीक्षकों के विचारों का उल्लेख करते हुए रीतिकाल नाम की सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

38. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

39. रीतिकाल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट कीजिए।

40. रीतिकालीन राजनैतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।

41. रीतिबद्ध काव्य के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।

42. बिहारी को रीति-सिद्ध कवि क्यों माना जाता है? उनकी सतसई की लोकप्रियता के कारण बताइये।

43. रीतिमुक्त काव्य के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।

44. रीतिबद्ध काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

45. आधुनिक काल के हिंदी साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

46. आधुनिक हिंदी कविता की विभिन्न धाराओं का परिचय दीजिए।

47. आधुनिकता के उदय की पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए।

48. आधुनिकता की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

49. भारतेन्दु युग के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।

50. भारतेन्दु युगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

51. हिंदी पुनर्जागरण और भारतेन्दु युग में भारतेन्दु हरिश्चंद का स्थान निर्धारण कीजिए।

52. भारतेन्दु हरिश्चंद की काव्य कृतियों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

53. द्विवेदी युग के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।

54. द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

55. मैथिलीशरण गुप्त की रचनाओं में राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए।

56. अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध कृत 'प्रियप्रवास' के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

57. छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

58. छायावाद का अर्थ एवं परिभाषा स्पष्ट कीजिए।

59. छायावाद के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।

60. छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है । स्पष्ट कीजिए।

61. उत्तरछायावादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

62. उत्तरछायावादी कविता के प्रमुक कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।

63. हरिवंश राय बच्चन का परिचय देते हुए 'मधुशाला' पर प्रकाश डालिए।

64. राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।

65. प्रगतिवाद के तत्वों को बताते हुए प्रगतिवादी कवियों की समीक्षा कीजिए।

66. हिंदी के प्रगतिवादी काव्य का विकास क्रम बताते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

67. प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

68. प्रगतिवादी काव्यधारा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

69. हिंदी साहित्य में प्रयोगवादी विचारधारा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

70. प्रयोगवाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

71. नई कविता की प्रमुख विशेषताएँ बतलाइये।

72. नई कविता के स्वरूप और उसके प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

73. समकालीन कविता में अकविता एक आंदोलन है। स्पष्ट कीजिए।

74. हिंदी 'नवगीत' परंपरा से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

75. समकालीन हिंदी कविता की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

76. हिंदी काव्य में 'नवगीत' काव्य की विशेषताएँ तथा उसकी उपलब्धियों पर प्रकाश डालिए।

77. हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

78. हिंदी कहानी के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

79. प्रेमचंदपूर्व हिंदी उपन्यासों का परिचय दीजिए।

80. जयशंकर प्रसाद की कहानी कला पर प्रकाश डालिए।

81. हिंदी नाटक के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

82. भारतेंदुयुगीन हिंदी नाटकों का परिचय दीजिए।

83. हिंदी नाटक के विकास में प्रसाद युग का महत्व स्पष्ट कीजिए।

84. प्रसादोत्तर नाटकों पर एक निबंध लिखिए।

85. हिंदी आलोचना के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

86. हिंदी आलोचना के क्षेत्र में रामचंद्र शुक्ल के प्रदेय को स्पष्ट कीजिए।

87. हिंदी के प्रमुख आलोचक एवं उनकी कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।

88. व्यावहारिक आलोचना को स्पष्ट करते हुए प्रमख पद्धतियों पर प्रकाश डालिए।

89. हिंदी निबंध के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

90. द्विवेदी युग के प्रमुख निबंधकारों तथा उनके महत्व पर प्रकाश डालिए।

91. ललित निबंध से आप क्या समझते हैं ? प्रमुख ललित निबंधकारों का परिचय दीजिए।

92. हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार एवं उनकी कृतियों का परिचय दीजिए।

93. रेखाचित्र से आप क्या समझते हैं? प्रमुख रेखाचित्रों का नामोल्लेख कीजिए।

94. हिंदी एकांकी के उद्भव और विकास पर निबंध लिखिए।

95. जीवनी और आत्मकथा के अंतर को स्पष्ट करते हुए प्रमुख आत्मकथाकारों का परिचय दीजिए।

96. हिंदी में यात्रा साहित्य पर एक निबंध लिखिए।